प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनीकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-155 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सब्सिड़ी पर किसानों को मिलेंगे एक लाख बायोगैस सयंत्र

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को गो सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय फरह क्षेत्र के गौ ग्राम परखम पहुंचे। पं. दीपदयाल कामधेनु गौशाला में चल रहे प्रकल्पों को देखने के बाद उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का काम चल रहा है। एक लाख किसानों को बायोगैस संयत्र स्थापना के लिए सब्सिड़ी दी जाएगी। ऐसे किसानों को गौशालाओं में संरक्षित गौवंश भी पोषण के लिए दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि परखम के गो अनुसंधान केंद्र में गायों से खुर से सिर तक शोध होंग, गायों को बेहतर बनाने पर काम होगा। इस प्रकल्प से गांव और किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली है, यहां गायों के संरक्षण और संवर्द्धन पर बेहतर काम हो रहा है। अब गांवों में बनाए गए कूड़ा संग्रह केंद्रों में प्राकृतिक खाद बनाने की योजना तैयार हो रही है, ऐसा होने से गांव- गांव प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।

इससे पहले वह तहसील छाता के ग्राम ऐंच स्थित गो आश्रय स्थल पहुंचे। गौवंशों की देखभाल और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बरसात के मौसम को देखते हुए गौवंशों को विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए निर्देश दिए। कहा कि गौवंशों की सेवा-संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

ग्राम ऐंच में गौशाला के निरीक्षण के दौरान गो सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय।

इस दौरान गौ सेवा आयोग के सदस्य ने कहा कि बीते दिनों इस गौशाला से मेवात के अपराधी सेवक को बंधक बनाकर कई गायों को ले गए। मुकदमा भी लिखा गया, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो अपराधियों को मुठभेड़ में दबोच लिया। गायों को खरीदने वाला फरार है, पुलिस को ऐसे अपराधी को गिरफ्तार करने को कहा गया है। पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ऐंच गौशाला में

प्राकृतिक खेती को मिलेगा बढ़ावा, गायें भी दी जाएंगी किसानों को

कूड़ा संग्रह केंद्रों पर जैविक खाद बनाने को दिया जाएगा बढ़ावा

संरक्षित गौवंश बेहर हाल में है। उन्होंने गौशाला प्रबंधन को निर्देश दिए कि वर्षा से बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाए, परिसर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गौवंशों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शेड की स्थिति, स्वच्छता, पेयजल, हरे चारे, भूसा भंडारण और पोषण संबंधी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और गौवंशों की संख्या की जानकारी प्राप्त की।

गौ-सेवा आयोग सदस्य ने कर्मचारियों से गौवंशों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और बीमार पशुओं के उपचार की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने गौवंशों की शत-प्रतिशत ईयर टैगिंग करने और पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान सीओ छाता भूषण वर्मा, तहसीलदार सचिन पवार, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आरटीआई मामलों पर राज्य सूचना आयुक्त की सख्ती

सात दिन के अंदर 106 लंबित अपीलें निपटाने के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त पदुम नारायण द्विवेदी की अध्यक्षता में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम-2005 के तहत लंबित अपीलों और शिकायतों की समीक्षा बैठक हुई। राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि आरटीआई का उद्देश्य सरकारी कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है। प्रत्येक जनसूचना अधिकारी को 30 दिनों के भीतर मांगी गई सूचना उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

बैठक में बताया गया कि मथुरा जनपद से संबंधित 106 अपीलें और शिकायतें उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग में लंबित हैं। इनमें 49 ग्राम्य विकास विभाग, 40 राजस्व विभाग, 15 पुलिस विभाग, एक समाज कल्याण विभाग और

कलेक्ट्रेट सभागार में सूचना का अधिकार से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते राज्य सूचना आयुक्त पदुम नारायण द्विवेदी, साथ हैं डीएम चंद्रप्रकाश सिंह आदि।

एक स्वास्थ्य विभाग से संबंधित मामले शामिल हैं। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण सात दिनों के भीतर हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

राज्य सूचना आयुक्त ने अधिकारियों को जनहित और लोकहित से जुड़े सभी आरटीआई आवेदनों का समयबद्ध -गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग अब 100 प्रतिशत ऑनलाइन हो चुका है और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई-शिकायतों का निस्तारण किया जा रहा है, जिससे आवेदकों और अधिकारियों दोनों को सुविधा मिल रही है।

बैठक में एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र नारायण शुक्ला, अपर नगर मजिस्ट्रेट वृंदावन राजकुमार चौधरी, डीडीओ गरिमा खरे, उपायुक्त मनरेगा विजय पांडेय, उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह, बीएसए रतन कीर्ति, डीआईओएस राघवेंद्र सिंह, जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह, सीओ सुमन कनौजिया, अधिशासी अभियंता सिंचाई नवीन कुमार, समस्त तहसीलदार, बीडीओ सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम्य विकास और राजस्व विभाग में सबसे अधिक लंबित मामले, ऑनलाइन सुनवाई व्यवस्था की दी जानकारी

बांके बिहारी मंदिर विकास को मिलेगी नई रफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। बांके बिहारी मंदिर हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की 18वीं बैठक शुक्रवार को वृंदावन स्थित लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मंदिर के समग्र विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, दर्शन व्यवस्था और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति ने मंदिर क्षेत्र के विकास की कार्ययोजना को अंतिम रूप देकर सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। बढ़ती श्रद्धालु संख्या को देखते हुए दर्शन समय बढ़ाने, जगमोहन से दर्शन व्यवस्था जारी रखने, भीड़ प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी मंथन हुआ। बैठक में मंदिर के आसपास भूमि खरीद, आधारभूत सुविधाओं के विकास, कोटा स्थित मंदिर भूमि प्रकरण तथा आगामी हरियाली तीज और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सेवानिवृत्त सदस्य मुकेश मिश्रा, जिला- सत्र न्यायाधीश विकास कुमार, मुंसिफ-सिविल जज प्रत्यूष आनन्द मिश्रा, डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, विप्रा उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन, अधीक्षण पुरातत्वविद् भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण आगरा डॉ. स्मिता एस कुमार आदि उपस्थित रहे।

एलन मस्क बोले-एआई बदल सकता है पूरी दुनिया

पांच वर्षों में इंसानों से आगे निकल सकता है एआई

यूनिक समय, मथुरा। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने एक साक्षात्कार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के भविष्य, उसकी संभावनाओं और चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एआई की क्षमताएं तेजी से विकसित हो रही हैं और अगले पांच वर्षों में यह कई क्षेत्रों में इंसानी बुद्धिमत्ता से आगे निकल सकता है। हालांकि, यह उनका व्यक्तिगत आकलन है और भविष्य को लेकर अलग-अलग विशेषज्ञों की अलग राय भी है।

मस्क के अनुसार, यदि एआई और रोबोटिक्स का विकास इसी गति से

जारी रहा तो उत्पादन क्षमता इतनी बढ़ सकती है कि भविष्य में वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता में बड़ा बदलाव आए। उन्होंने ऐसी दुनिया की कल्पना की, जहां संसाधनों की प्रचुरता के कारण धन का महत्व कम हो सकता है। हालांकि, उन्होंने माना कि यह परिदृश्य व्यावहारिक रूप से कई

समाज को बदलाव के लिए रहना होगा पूरी तरह तैयार

चुनौतियों से जुड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि एआई आधारित रोबोट और डिजिटल प्रणालियां तेजी से अधिक सक्षम बन रही हैं। ऐसे में सरकारों, तकनीकी कंपनियों और शोध संस्थानों को मिलकर सुरक्षित और जिम्मेदार एआई विकास पर काम करना चाहिए। मस्क ने विशेष रूप से प्रमुख एआई डेवलपर्स के बीच सहयोग और पारदर्शिता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मस्क का मानना है कि तकनीकी प्रगति की गति के मुकाबले समाज की तैयारी अपेक्षाकृत धीमी है। उनके अनुसार, भविष्य में रोजगार, अर्थव्यवस्था और जीवनशैली में बड़े बदलाव संभव हैं, इसलिए समय रहते नीतिगत और सामाजिक स्तर पर तैयारी आवश्यक होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई निश्चित रूप से कई क्षेत्रों में परिवर्तन ला रहा है, लेकिन इसके प्रभाव, गति और भविष्य को लेकर अभी भी व्यापक शोध और बहस जारी है। इसलिए एआई से जुड़ी संभावनाओं और चुनौतियों दोनों को संतुलित दृष्टिकोण से समझना आवश्यक है।

जन्माष्टमी से पहले सड़क सुधार को लेकर नगर आयुक्त सख्त

कर्मचारी से कामों की जानकारी लेते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

10 अगस्त तक कार्य पूरे करने के निर्देश

भूतेश्वर मार्ग की बदहाल सड़कें जल्द होंगी दुरुस्त

शुक्रवार भोर में चार बजे किया निरीक्षण, दिए निर्देश

ठेकेदार को लेबर और सामग्री बढ़ाने की चेतावनी

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए नगर निगम ने शहर की प्रमुख सड़कों और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने शुक्रवार भोर में चार बजे भूतेश्वर से मसानी तक पैदल भ्रमण कर सड़क, जल निकासी और मरम्मत कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य जन्माष्टमी पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित-सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने भूतेश्वर अंडरपास पर लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या के समाधान के लिए जलकल विभाग द्वारा मसानी नाले से अंडरपास तक बिछाई गई पाइपलाइन का भी जायजा लिया। पाइपलाइन डालने के बाद कई स्थानों पर सड़क धंसने, बड़े गड्ढे बनने और सड़क क्षतिग्रस्त होने की स्थिति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की।

नगर आयुक्त ने संबंधित कार्यदायी संस्था के अधिकारियों और ठेकेदार को निर्देश दिए कि सड़क मरम्मत कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री और श्रमिकों की संख्या तत्काल बढ़ाई जाए। यदि दो दिनों के भीतर अतिरिक्त श्रमिक नहीं लगाए गए तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क मरम्मत, गड्ढों की भराई और जल निकासी से जुड़े सभी कार्य 10 अगस्त तक निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हर हाल में पूरे किए जाएं। नगर आयुक्त ने कहा कि जन्माष्टमी के दौरान देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा पहुंचते हैं, इसलिए किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा स्वीकार नहीं की जाएगी। नगर निगम सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

ओवरचार्जिंग, गंदगी और बंद शौचालय पर फटकार

नोटिस और कार्रवाई के निर्देश

यूनिक समय, वृंदावन। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने शुक्रवार सुबह छह बजे वृंदावन में पैदल भ्रमण कर सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय, डलावघर और अतिक्रमण का औचक निरीक्षण किया। रमणरेती और फोगला आश्रम के पास सुलभ शौचालयों में तय शुल्क से अधिक वसूली की शिकायत सही मिलने पर उन्होंने संचालन संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी करने और संबंधित कर्मचारियों को हटाने के निर्देश दिए। वार्ड–69 में एक सार्वजनिक शौचालय महीनों से बंद मिलने पर नगर आयुक्त ने तत्काल संचालन शुरू कराने और पिछले एक वर्ष के भुगतानों की जांच के आदेश दिए। सौ फुटा तिराहा, पापड़ी चौराहा और रमणरेती मार्ग पर गंदगी मिलने पर संबंधित एजेंसी को फटकार लगाते हुए सुबह आठ बजे तक सफाई पूरी करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण में कई सफाई कर्मचारी बिना यूनिफॉर्म और पहचान पत्र के मिले, जिस पर संबंधित एजेंसियों को नोटिस और आर्थिक दंड के निर्देश दिए गए। इसके अलावा डलावघर स्थानांतरित करने और जर्जर सड़क का निर्माण शीघ्र शुरू कराने के आदेश भी दिए गए।

डाकघरों में बढ़ने लगी रौनक, भाइयों के नाम बहन भेज रहीं राखियां

मुख्य डाकघर से भाई के लिए राखी भेजती बहन।

मुख्य डाकघर में बनाया गया है अलग काउंटर

यूनिक समय, मथुरा। सावन माह की शुरुआत के साथ ही रक्षाबंधन पर्व की तैयारियां हो गई हैं। रोजगार, पढ़ाई कारणों से अपने घर और बहनों से दूर भाइयो के लिए बहनों ने राखियां भेजनी शुरू कर दी हैं।

शहर के सिविल लाइन स्थित मुख्य डाकघर से इन दिनों राखियां भेजने का काम होने लगा है। बहनें आकर्षक और नई–नई डिजाइनों की राखियां पैक कर स्पीड पोस्ट के माध्यम से देश और विदेश में रह रहे अपने भाइयों तक भेज रही हैं, रक्षाबंधन से पहले राखी समय पर पहुंच सके। मुख्य डाकघर में रक्षाबंधन के लिए राखियां भेजने के लिए अलग से काउंटर बनाया गया है। यहां डाक कर्मचारी बहनों को पार्सल और स्पीड पोस्ट संबंधी सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे किसी भी बहन को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस वर्ष भी स्पीड पोस्ट के माध्यम से राखियां भेजी जा रहीं है। बहनों का कहना है कि समय रहते राखी भेजने से भाइयों तक त्योहार से पहले पहुंच जाए।

डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने बताया कि मुख्य डाकघर में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बहनें अपने भाइयों के लिए राखियां भेज सकती हैं। उन्होंने बताया कि स्पीड पोस्ट के माध्यम से राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मुंबई, गुजरात सहित देश के विभिन्न राज्यों में राखियां सामान्यतः दो से चार दिनों के भीतर पहुंच जाती हैं। वहीं अमेरिका, दुबई सहित अन्य देशों में भेजी गई राखियां सात से ग्यारह दिनों के भीतर पहुंचाई जाती हैं। सावन की शुरुआत के साथ डाकघरों में भाई–बहन के अटूट प्रेम और विश्वास की डोर को और मजबूत कर रही है।

पर्स चोरी करते गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। महावन पुलिस एक शातिर चोर को चोरी के माल सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त कपिल निवासी गांव झरौठा थाना बल्देव को रमण रेती आश्रम से श्रद्धालु का पर्स चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से पर्स और उसमें रखा सामान बरामद कर लिया है।

आचार्य सूरत्र सागर का कल होगा भव्य चातुर्मास प्रवेश

मंडी चौराहा से चौरासी जैन मंदिर तक निकलेगी ऐतिहासिक शोभायात्रा

तीन अगस्त को कलश स्थापना महोत्सव, देशभर से जुटेंगे श्रद्धालु

कार्यक्रम की जानकारी देते आयोजन समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य सूरत्र सागराचार्य ससंघ का चातुर्मास प्रवेश शनिवार प्रातः सात बजे भव्य-ऐतिहासिक शोभायात्रा के साथ होगा। शोभायात्रा मंडी चौराहा से प्रारंभ होकर श्री दिगंबर जैन चौरासी मंदिर कृष्णा नगर तक पहुंचेगी। आयोजन को लेकर जैन समाज में उत्साह का माहौल है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

यह जानकारी अध्यक्ष राहुल जैन और महामंत्री डा. जयप्रकाश जैन ने दी। शुक्रवार को जैन मंदिर में आयोजित वार्ता के दौरान पदाधिकारियों ने बताया कि शोभायात्रा भारतीय संस्कृति और जैन धर्म की गौरवशाली परंपराओं की झलक प्रस्तुत करेगी। सबसे आगे ऊंट पर नगाड़ों की गूंज, उसके पीछे सुसज्जित अश्वों पर धर्मध्वज लिए ध्वजवाहक, स्काउट बैंड, श्रवण ज्ञान भारती बैंड, घंटे–नगाड़ों के साथ जैन भजनों की मंगलध्वनि वातावरण को भक्तिमय बनाएगी। समाज के पुरुष श्वेत कुर्ता–पायजामा और महिलाएं पीली साड़ी धारण कर जल निगम चौराहे से शोभायात्रा में शामिल होंगी, भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए आचार्य श्री का स्वागत करेंगी।

पदाधिकारियों ने बताया कि मधुवन होटल मोड़ से जैन चौरासी मंदिर तक 21 भव्य स्वागत द्वार बनाए गए हैं। जैन इंटर कॉलेज से मंदिर परिसर तक 61 जैन परिवार आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे। मंदिर परिसर में आचार्य श्री का मंगल प्रवेश, धर्मसभा और प्रवचन का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश प्रदान किए जाएंगे। पदाधिकारियों के अनुसार, सोमवार को प्रातः 11 बजे चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव होगा। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु, संतप्रेमी और धर्मावलंबी मथुरा पहुंचेंगे और आचार्य श्री के मंगल आशीर्वचन और प्रेरणादायी प्रवचनों का लाभ प्राप्त करेंगे। इस दौरान कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन, सुभाष जैन, बनवारी जैन, विशेष जैन, मनीष जैन, निर्भय जैन, अजय जैन, आलोक जैन, योगेश जैन, गौतम जैन, जिनेंद्र शास्त्री, सुबोध जैन, अजित जैन, अमरकात मिश्र आदि मौजूद रहे।

तीन मंजिल पर काम करते मिस्त्री की गिरकर मौत

झीने की सीढ़ियां बनाने के दौरान पत्थर टूटा, गंगा सिटी का मामला

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र की गंगा सिटी कॉलोनी में मकान के निर्माण के दौरान तीन मंजिल पर बनाए रहे झीने का पत्थर टूटने पर एक मिस्त्री की गिरकर मौत हो गई।

बताया गया कि टाउनशिप इलाके में रहने वाला रामबीर(40) राज मिस्त्री का काम करता था। वह कल दोपहर को गंगा सिटी में एक मकान के निर्माण कार्य कर रहा था। बताया गया कि वह मकान की तीसरी मंजिल पर झीना बना रहा था। इसी दौरान अचानक झीने का पत्थर टूट गया और रामबीर तीसरी मंजिल से नीचे गिर कर गंभीर घायल हो गया। मिस्त्री के इस तरह अचानक गिरने से वहां काम में लगे अन्य मिस्त्री और मजदूरों में हड़कंप मच गया। गंभीर घायल मिस्त्री को स्वर्ण जयंती हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी सीरियस हालत को देखते हुए हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया। परिवार के लोग उसे केडी हॉस्पिटल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। जानकारी पर पुलिस ने मिस्त्री के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम ग्रह पर युवक के साथ आए परिवारजनों और अन्य लोगों ने बताया कि मृतक के चार बच्चे हैं। घर पर केवल वही एक कमाने वाला था। इसके चलते अब उसके परिवार के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आकर छात्र की मौत

पॉलिटेक्निक की कर रहा था पढ़ाई

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के जाजामपट्टी रेलवे स्टेशन के समीप एक पॉलीटेक्निक छात्र की ट्रेन से कट कर मौत हो गई। छात्र की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

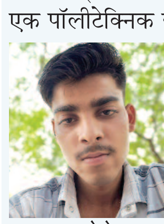
फाइल फोटो पवन

बताया गया कि पवन(19) पुत्र भूमानंद निवासी ग्राम रसूलपुर थाना मगोर्रा पॉलीटेक्निक में पढ़ रहा था।

वह गांव से पलवल जाने के लिए जाजम पट्टी रलवे स्टेशन पर जा रहा था। स्टेशन से कुछ पहले वह किसी ट्रेन की चपेट में आकर कट गया। रेलवे लाइन के किनारे अज्ञात युवक का शव पड़े होने की सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक की तलाशी की और उसके पास से मिले कागजात के आधार पर परिवारीजनों को सूचना दी। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पवन की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

जनता की प्यास बुझाने को मिनी नलकूप बने शोपीस

कोसीकलां सब्जी मंडी में बने मिनी नलकूप केंद्र।

आधा जुलाई बीतने के बाद भी लोगों को नहीं नसीब हुआ ठंडा पानी

यूनिक समय, कोसीकलां। भीषण गर्मी में लोगों के सूख रहे गले को ठंडक पहुंचाने के लिए नगर पालिका ने नौ स्थानों पर मिनी नलकूप लगाने की बात कही थी। पूरी गर्मी समाप्त होने के जा रही है, लेकिन एक भी नलकूप चालू नहीं हो सका।

नगर पालिका ने जगह–जगह भवन बनाकर उन पर मिनी नलकूप के नाम तो लिख दिए गए, लेकिन उनमें पानी नहीं पहुंचा। आधा जुलाई बीतने के बाद भी ये अधूरे ढांचे जनता को ठंडा पानी देने के बजाय नगर पालिका के अधूरे वादों की कहानी सुना रहे हैं। नगर पालिका ने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लोगों को गर्मी में ठंडा पानी मौहया करने के उद्देश्य से नौ स्थानों पर मिनी नलकूप लगाने की योजना शुरू की थी। नलकूपों के लिए भवन तैयार होने पर लोगों में आस जागी थी कि अब उन्हें गर्मी से राहत के लिए ठंडा पानी मिलने लगेगा। अब तक नगर पालिका द्वारा बनाए किसी भी नलकूप चालू नहीं किया जा सका है। लगता है लाखों रुपया खर्च करने के बाद बनाए गए नलकूप पानी देने के स्थान पर शोपीस साबित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि टेंडर पास हुए, निर्माण कार्य भी पूरा हो गया, लेकिन पानी की व्यवस्था आज तक नहीं हो सकी।

इस संबंध में पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल ने बताया कि प्रक्रिया अंतिम चरण में है। कुछ तकनीकी कारणों से देरी हुई है। जल्द ही सभी मिनी नलकूप चालू कर दिए जाएंगे।

ऐंच गौशाला में चोरी करने वाला 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

पुलिस को देशी तमंचा कारतूस मिले, मुठभेड़ के दौरान भागने में हो गया था कामयाब

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां की ऐंच स्थित अस्थाई गौशाला में गायों को चोरी कर ले जाने वाले गौ तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से देशी तमंचा-कारतूस और रस्सा भी बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, ऐंच की अस्थाई गौशाला से चौकीदार को बंधक बनाकर गायों को चोरी करले जाने वाले गौतस्करों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई थी। बाइक से जाते दो गौ तस्करों को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस से हुई फायरिंग में एक गौतस्कर गोली लगने से घायल हुआ था। मुठभेड़ में एक सिपाही भी घायल हुआ था। मुठभेड़ स्थल से पुलिस से बचकर सरीफ उर्फ दल्ली निवासी गांव रोहिंदा थाना अरनिया जनपद बुलंदशहर भाग गया था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही थी। पुलिस ने सरीफ उर्फ दल्ली को गांव एलवाड़ा मुख्य सड़क से रजवाहे के किनारे से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके कब्जे से देशी तमंचा-कारतूस और रस्सा बरामद किया है। पुलिस की तरफ से इसकी गिरफ्तारी पर पच्चीस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

गिरफ्तार अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि 22/23 जुलाई की रात को उसने अपने साथी राजू निवासी मीरपुर, बुलंदशहर, शौकीन निवासी रोहिंदा, तौफीक और एहसान निवासी बिछवां जनपद मैनपुरी मिलकर ऐंच की गौशाला में चोरी करने के लिए आया था। गौशाला से चुराई गई गायों को मौसम निवासी बिछोर थाना बिछोर जिला नूह मेवात हरियाणा को बेच दी थी। दोबारा चोरी करने के गौशाला आने पर पुलिस से रास्ते में मुठभेड़ हो गई थी, जिसमें वह भाग निकला था।

बेटे ने बूढ़े पिता और भाइयों को घर से निकाला

खेत पर जमाया कब्जा गोली मारने की दी धमकी

यूनिक समय, मथुरा। बुढ़ापे का सहारा बनने वाली कलयुगी औलाद संपत्ति की भूख में रिश्तों को तार–तार करने में लगी हैं। ऐसे बेटे इस बात को भी भूल जाते है कि माता-पिता ने किस तरह उन्हें बड़ा किया। संपत्ति के लिए बूढ़े बाप और भाईयों को एक बेटे ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। शिकायत करने पर गोली मारने की धमकी तक दे डाली। परेशान पिता ने एसएसपी से सहाता की गुहार लगाई है।

मामला थाना सुरीर क्षेत्र के गांव लोहई का है। पीड़ित बुजुर्ग ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि उनके चार बेटे हैं। आरोप है कि उनके एक बेटे ने पिता और तीनों भाइयों को घर से निकाल दिया और पूरी संपत्ति पर कब्जा कर लिया।अपनी जमीन और हक की लड़ाई लड़ने के लिए पीड़ित पिता ने कानून का दरवाजा खटखटाया। एसडीएम और ग्राम न्यायालय मांट से छह जुलाई 2026 को खेत पर काम रोकने का स्टे ऑर्डर भी मिल गया, लेकिन बेखौफ बेटे और उसके साथियों पर कोर्ट के आदेश का भी कोई असर नहीं हुआ। आरोप है कि 13 जुलाई को दबंगई के बल पर कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए जबरन खेत जोत लिया गया। हद तो तब हो गई जब बुजुर्ग ओमप्रकाश अपने ही खेत में लगी फसल देखने पहुंचे। आरोप है कि वहां उनके साथ मारपीट की गई और दोबारा शिकायत करने पर गोली मारने की धमकी दी गई। स्थानीय थाने और पुलिस चौकी से कोई सुनवाई न होने पर आखिरकार पीड़ित बुजुर्ग अपने परिवार के साथ शुक्रवार को एसएसपी दफ्तर पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई।

संसद परिसर में साधु वेश धारण कर प्रदर्शन करने से आक्रोश

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। शुक्रवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों की ओर से अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े कथित मामले को लेकर दिए सांकेतिक धरने में पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव साधु के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। विपक्षी नेता राहुल गांधी समेत कई अन्य विपक्षी नेताओं ने सांकेतिक रुप से चढ़ावा डाला। प्रदर्शन के बाद इंटरनेट मीडिया पर डाले गए वीडियो को लेकर साधु-संतों ने नाराजगी जाहिर की है।

महामंडलेश्वर डा. सत्यानंद अधिकारी ने कहा कि विपक्षी नेताओं का ड्रामा कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। उन्होंने साधुओं की छवि को खराब करने की कोशिश की है। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि साधु का वेश धारण कर राजनीतिक संदेश देना और सनातन परंपरा का मजाक उड़ाना है। महामंडलेश्वर कृष्णानंद ने संसद परिसर में साधु वेश धारण किए गए प्रदर्शन की निंदा की। कहा कि इस तरह से चढ़ावे पर राजनीति करना ठीक नहीं है। श्रीकृष्ण काली पीठाधीश्वर केशवाचार्य ने कहा कि नेताओं को साधुओं का वेश धारण करना उचित नहीं है। साधु बनने के लिए दीक्षा लेनी पड़ती है।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती इलाकों में बढ़ी चिंता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में शुक्रवार को यमुना नदी के जलस्तर में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। जलस्तर में लगभग पांच सेंटीमीटर की वृद्धि होने से कई घाटों की निचली सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया। हालांकि स्थिति फिलहाल सामान्य बनी हुई है, लेकिन नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर पर स्थानीय लोग और प्रशासन दोनों नजर बनाए हुए हैं।

यमुना में बढ़े जलस्तर का दर्शाता मीटर।

दो सप्ताह पहले हरियाणा स्थित हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद यमुना के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हुई थी। उस समय नदी किनारे रहने वाले लोगों और घाटों पर व्यवसाय करने वालों में बाढ़ की आशंका को लेकर चिंता बढ़ गई थी। अब एक बार फिर जलस्तर बढ़ने से लोगों की धड़कनें तेज हो गई हैं। विशेष रूप से विश्राम

घाटों पर बढ़ा पानी प्रशासन की नजर स्थानीय लोग स्थिति पर रखे हुए हैं निगाह

घाट, बंगाली घाट और आसपास के तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का कहना है कि यदि लगातार बारिश होती रही या ऊपरी क्षेत्रों से और पानी छोड़ा गया तो जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे में प्रशासन को पहले से सतर्क रहकर आवश्यक तैयारियां करनी चाहिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

यमुना किनारे रहने वाले कई परिवारों ने बताया कि हर वर्ष बरसात के मौसम में जलस्तर बढ़ने पर चिंता का माहौल बन जाता है। वहीं, सिंचाई विभाग ने श्रद्धालुओं और नाव संचालकों को भी नदी के तेज बहाव के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन यदि जलस्तर में और वृद्धि होती है तो आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जाएंगे।

ड्रंक एंड ड्राइव, प्रेशर हॉर्न और मॉडिफाइड साइलेंसर बने समस्या

यूनिक समय, मथुरा। शहर छोड़िए, जिले की सड़कों पर ड्रंक एंड ड्राइव, प्रेशर हॉर्न और मॉडिफाइड साइलेंसर का बढ़ता चलन लोगों के लिए गंभीर परेशानी बनता जा रहा है। देर रात से लेकर दिनभर तक सड़कों पर दौड़ने वाले कई दोपहिया और चार पहिया वाहन तेज आवाज वाले साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल कर ध्वनि प्रदूषण फैला रहे हैं। वहीं, नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालक न केवल अपनी बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में डाल रहे हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से नियमित और प्रभावी अभियान नहीं चलाए जाने से नियम तोड़ने वालों के हौसले बुलंद हैं।

शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और धार्मिक स्थलों के आसपास सबसे अधिक शोर सुनाई देता है। मॉडिफाइड साइलेंसर से निकलने वाली तेज आवाज बुजुर्गों, बच्चों, मरीजों और विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। अस्पतालों और स्कूलों के आसपास भी कई वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए प्रेशर हॉर्न बजाते हैं, जिससे ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़

शोर, हादसों और प्रदूषण से बढ़ रही परेशानी, कार्रवाई के अभाव में बेखौफ नियम तोड़ रहे वाहन चालक

रहा है।

80 साल के बुजुर्ग वेदव्रत गुप्ता का मानना है कि नशे में वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से एक है।

तेज रफ्तार और शराब के नशे का मेल दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ा देता है। एक अन्य बुजुर्ग रामदेव शर्मा का कहना है कि मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का उपयोग मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन है, फिर भी ऐसे वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई कम दिखाई देती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि समय-समय पर अभियान तो चलाए जाते हैं, लेकिन उनका असर लंबे समय तक नहीं रहता। यदि नियमित जांच, चालान और जागरूकता अभियान चलाए जाएं तो इस समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। नागरिकों की मांग है कि पुलिस और परिवहन विभाग संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाकर नशे में वाहन चलाने वालों, अवैध साइलेंसर लगाने वालों और प्रेशर हॉर्न का उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। इससे न केवल ध्वनि प्रदूषण कम होगा, बल्कि सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी और वृद्धजन और अन्य को सुरक्षित-शांत वातावरण मिल सकेगा।

कहीं सूखा तो कहीं हो गई बूंदाबांदी

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को मौसम का हाल सबसे अजीब दिखा। कहीं सूखा तो कहीं बूंदाबांदी होती दिखी। ऐसे मौसम से लोग हैरान रह गए। अब मौसम विभाग ने जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। एक अगस्त से छह अगस्त तक जिले में हल्की और तेज वर्षा होने का पूर्वानुमान जताया है। वैसे, अब तक 15 दिन से जारी हुए पूर्वानुमान सही साबित नहीं हो पाए हैं।

आज सुबह से ही मौसम बदला हुआ था। सुबह आसमान में छाए काले बादलों के बीच शीतल बयार शरीर को राहत दे रही थी। इसके बाद मौसम साफ होते ही धूप निकल आई तो उमस हो गई, इससे लोग परेशान हो गए। इसके बाद दोपहर में मौसम का अजीब रंग दिखा। आसमान में छाए बादलों के बीच नए बस स्टैंड क्षेत्र में बूंदाबांदी हो गई, जबकि टैंक चौराहा से कलेक्ट्रेट का क्षेत्र सूखा दिखा। कुछ ऐसा ही हाल हाईवे पर दिखा। फरह से बरारी तक

सुबह से शाम तक छाए काले बादल, खूब चली बयार

कल से छह अगस्त तक हल्की और तेज वर्षा के आसार

मध्यम वर्षा हुई, जबकि रिफाइनरी से बाद गांव तक हाईवे सूखा दिखा। वैसे, शाम तक धूप के बीच चली बयार से कुछ राहत मिली। वहीं, मौसम विभाग ने एक अगस्त से छह अगस्त तक के लिए जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, इस अवधि के दौरान हल्की और तेज वर्षा होने के आसार हैं। इन दिनों में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। आकाशीय गर्जना होने का भी अनुमान है।

मंडलीय महिला कबड्डी चयन प्रतियोगिता कल

यूनिक समय,मथुरा। मंडलीय महिला कबड्डी चयन प्रतियोगिता एक अगस्त को प्रातः 11 बजे एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम आगरा में आयोजित की जाएगी। इस ट्रायल्स प्रतियोगिता में जनपद की महिला कबड्डी खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। जिले से ट्रायल्स में भाग लेने वाली खिलाड़ी दीपू गावर, तानिया, ज्योति, शिवानी, साविता, ताक्षी चौधरी, श्रद्धा उपाध्याय, मोनिका चौधरी, लक्ष्मी और खुशी पचौरी शामिल होंगी। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि ट्रायल्स के लिए जनपद की खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

टोटके को लेकर एक ही परिवार के दो पक्ष भिड़े

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के गांव नगला बामन में एक ही परिवार के लोगों के बीच पशुओं के समीप टोटके का सामान रखे होने पर विवाद हो गया। दोनों पक्षों में हुई मारपीट के बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया। बताया गया कि आज प्रातः अर्जुन सिंह के घेर में बंधे पशुओं के पास किसी ने टोटका करके वहां सामान रख दिया। वहां से गुजरते राजबीर के भतीजे ने टोटके का सामान देख कर अर्जुन के बेटे को इस बारे में बताया। दोनों में इस बात को लेकर गाली-गलौज होने लगी। कुछ ही देर में मामला मारपीट में बदल गया। दोनों परिवार के लोग एक दूसरे के आमने-सामने आ गए और फिर मारपीट होने लगी। बाद में झगड़ा करने के बाद दोनों ही पक्षों के लोग बिचपुरी चौकी पर रिपोर्ट कराने के लिए पहुंच गए।

रविदास की 650 वीं जयंती पर तीन विधान सभाओं में निकाली कलश यात्रा

रविदास की कलश यात्रा का स्वागत करते।

यूनिक समय,मथुरा। संत रविदास की 650 वीं जयंती पर बनारस से शुरु हुई कलश यात्रा के जनपद आगमन पर पुष्प वर्षा, ढोल-नगाड़ों और रविदास के जयकारों के साथ स्वागत किया गया। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि यह कलश यात्रा जिले की तीनों विधान सभाओं के प्रत्येक मंडल में निकाली जाएगी। जिले के 18 मंडलों में यात्रा का भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जगह-जगह कलश का सम्मान किया जाएगा और रविदास के जीवन दर्शन सत्संग व भजन-कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के जिला संयोजक आकाश चौधरी ने कहा कि संत रविदास ने अपना संपूर्ण जीवन सनातन धर्म की सेवा और आम जनमानस के उत्थान के लिए समर्पित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि कहा कि रविदास का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाकर समानता, समरसता और मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला मंत्री सुरेश, अजय, मनीष ओझा सहित सभी मंडलों के पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सावन की आहट, गुलजार हुए साड़ी बाजार

बाजार में हरे रंग की साड़ियों की बढ़ी डिमांड

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास की शुरुआत के साथ ही शहर के साड़ी बाजारों में रौनक लौट आई है। हरियाली तीज, रक्षाबंधन जैसे प्रमुख त्योहारों को देखते हुए महिलाओं ने अभी से खरीदारी शुरू कर दी है। बाजारों में बढ़ती भीड़ से कपड़ा कारोबारियों के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दे रही है। इस बार हरे रंग की साड़ियों के साथ-साथ श्रृंगार सामग्री और मैचिंग चूड़ियों की मांग सबसे अधिक बनी हुई है।

शहर के प्रमुख बाजारों में सुबह से देर शाम तक महिलाओं की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। दुकानों पर सिल्क, जॉर्जेट, कॉटन, प्रिंटेड और फैंसी डिजाइनों की हरे रंग की साड़ियों की आकर्षक श्रृंखला ग्राहकों को लुभा रही है। इसके साथ ही मैचिंग ब्लाउज पीस, चूड़ियां, बिंदी, मेहंदी और अन्य श्रृंगार सामग्री की बिक्री भी तेजी से बढ़ रही है।

शुक्रवार को होलीगेट स्थित एक दुकान पर साड़ी पसंद करती महिला।

हरे रंग की मान्यता

धार्मिक मान्यता के अनुसार, सावन में हरा रंग हरियाली, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसलिए भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के दौरान महिलाएं हरे रंग के वस्त्र धारण करना शुभ मानती हैं, जिसके चलते हर वर्ष सावन में हरे रंग की साड़ियों की मांग सबसे अधिक रहती है।

कपड़ा व्यापारियों का कहना है कि इस बार ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग डिजाइनों और

तीज, रक्षाबंधन को लेकर महिलाओं ने तेज की खरीदारी

बजट की साड़ियों का पर्याप्त स्टॉक मंगाया गया है। व्यापारी अनिल कुमार, राकेश अग्रवाल के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ी है। हरे रंग की साड़ियों की सबसे अधिक मांग है, जबकि हल्के कपड़े और सूती साड़ियां भी महिलाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं।

व्यापारियों को उम्मीद है कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो पूरे सावन माह के दौरान कारोबार में तेजी बनी रहेगी। रक्षाबंधन तक बिक्री में और बढ़ोतरी की संभावना है। कपड़ा बाजार के साथ-साथ रेडीमेड वस्त्र, कॉस्मेटिक और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर भी अच्छी खरीदारी हो रही है, जिससे छोटे व्यापारियों को भी बेहतर कारोबार की उम्मीद जगी है।

परिषदीय स्कूलों में विद्यार्थी किताबों के साथ सीखेंगे खेती

कक्षा छह से आठ तक बागवानी और जैविक खेती कंप्यूटर ग्राफिक्स, गृह विज्ञान की होगी पढ़ाई

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए अगले शैक्षणिक सत्र से पढ़ाई का तरीका बदलने जा रहा है। अब छात्र-छात्राएं केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि खेती, बागवानी और अन्य व्यावहारिक कौशल के बारे में भी सीखेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए बागवानी (हॉर्टिकल्चर) और जैविक (ऑर्गेनिक) खेती को व्यावसायिक शिक्षा के रूप में शामिल करने की तैयारी शुरू हो गई है। जिले के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को पौधे तैयार करना, उनकी देखभाल करना, जैविक खाद बनाना, प्राकृतिक खेती के तरीके अपनाना और स्कूल परिसर में किचन गार्डन विकसित करना सिखाया जाएगा। इससे बच्चों का प्रकृति से जुड़ाव बढ़ेगा और वे खेती की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी पाठ पढ़ाया जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत केवल खेती ही नहीं, बल्कि कंप्यूटर ग्राफिक्स, पेंटिंग और गृह विज्ञान जैसे विषयों का भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। गृह विज्ञान के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता, पोषण, घरेलू प्रबंधन और दैनिक जीवन में काम आने वाले जरूरी कौशल सिखाए जाएंगे। इसके लिए राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण सामग्री तैयार कर रहा है, जबकि एससीईआरटी ने भी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

जनपद के अधिकांश परिषदीय विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग का मानना है कि खेती और बागवानी का प्रशिक्षण बच्चों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। इससे वे अपनी पारंपरिक कृषि को आधुनिक तकनीकों के साथ समझ सकेंगे और भविष्य में स्वरोजगार के नए अवसर भी पढ़ाई के साथ सीख सकेंगे।

बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों को केवल परीक्षा तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें व्यावहारिक ज्ञान और रोजगारपरक कौशल से भी जोड़ना है। इस तरह पढ़ाई होने से विद्यालयों में पढ़ाई अधिक रोचक, उपयोगी और जीवन से जुड़ी होगी। इससे बच्चों में आत्मनिर्भरता की भावना विकसित होगी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि शासन से मिलने वाले दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयारियां की जाएंगी, ताकि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक और रोजगारपरक कौशल भी मिल सकें।

श्रद्धालुओं की कमी से रेलवे की कमाई फीकी

रोडवेज ने बस बढ़ाकर इस बार कमाई का प्रतिशत बढ़ाया

बीते साल के मुकाबले परिक्रमा में कम आए श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। इस बार मुड़िया मेला रेलवे के लिए अच्छा साबित नहीं हुआ। बेहतर सुविधा और ट्रेनों की संख्या के बाद भी श्रद्धालुओं की संख्या घटने से रेलवे की अच्छी आय होने की बात छोड़िए, इसमें कमी आ गई। वहीं, बसों की संख्या बढ़ाकर रोडवेज ने कमाई करने का काम किया। गुरु पूर्णिमा पर रेलवे की कमाईबेहतर रही, जबकि ओवर ऑल रोडवेज की कमाई बेहतर नहीं रह सकी। इन दोनों परिवहन के साधनों की कमाई बीते साल के मुकाबले कमजोर रही, इसकी वजह श्रद्धालुओं का कम आना बताया गया।

यात्रियों की संख्या में 10.76 प्रतिशत और राजस्व में 5.91 प्रतिशत की कमी

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेला के दौरान मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन से 2,87,916 यात्रियों ने यात्रा की। वर्ष 2025 में यह संख्या 3,22,639 थी। इस वर्ष यात्रियों की संख्या में 10.76 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। रेलवे को मेले के दौरान इस वर्ष 2 करोड़ 84 लाख 20 हजार 240 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 3 करोड़ 2 लाख 4 हजार 979 रुपये था। यानी राजस्व में 5.91 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मेले के दौरान स्टेशन पर 7,32,610 यात्रियों की फुटफॉल दर्ज की गई, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या 8,20,122 थी। हालांकि यात्रियों की संख्या कम रही।

रेलवे के अनुसार, 29 जुलाई (गुरु पूर्णिमा) को सबसे अधिक श्रद्धालुओं ने रेल यात्रा की। इस दिन 59,585 यात्रियों ने सफर किया, जिससे रेलवे को 59.53 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं स्टेशन पर 1,42,838 यात्रियों की फुटफॉल दर्ज की गई। इसके अगले दिन 30 जुलाई को 47,183 यात्रियों ने यात्रा की और रेलवे को 49.84 लाख रुपये की आय हुई। दैनिक आंकड़ों के अनुसार, 24 जुलाई को 26,553, 25 जुलाई को 32,823, 26 जुलाई को 43,315, 27 जुलाई को 41,707 और 28 जुलाई को 36,750 यात्रियों ने मथुरा जंक्शन से यात्रा की।

मथुरा डिपो को मिला 1.89 करोड़ रुपये का राजस्व

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले में इस बार श्रद्धालुओं की भीड़ ने रोडवेज की कमाई को भी रफ्तार दी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मथुरा डिपो ने 23 से 30 जुलाई तक 198 बसों को चलाया गया था। इन बसों के माध्यम से करीब 2 लाख 2 हजार श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा और अपने गुरुओं के दर्शन के लिए यात्रा की। इससे मथुरा डिपो को करीब 1.89 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है।

मेले के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रोडवेज और रेलवे ने पहले से व्यापक तैयारियां की थीं। प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलाई गईं, बस अड्डों पर कर्मचारियों की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई और यात्रियों को बिना किसी परेशानी के गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। सह मेला प्रभारी जयप्रकाश शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2025 में चार जुलाई से 11 जुलाई तक आयोजित मुड़िया मेले में मथुरा डिपो की 170 बसों का संचालन किया गया था।

उस समय करीब 1 लाख 84 हजार श्रद्धालुओं ने रोडवेज बसों से यात्रा की थी और निगम को लगभग 1.80 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। उन्होंने बताया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के कारण 28 अतिरिक्त बसें चलाई गईं। इसका सीधा असर यात्रियों की संख्या और आय पर भी दिखाई दिया। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार करीब 18 हजार अधिक श्रद्धालुओं ने रोडवेज बसों का सफर किया, जबकि निगम की आय में भी लगभग नौ लाख रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

जिला अस्पताल में दो दिवसीय सामाजिक सुरक्षा-स्वास्थ्य जागरूकता शिविर संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय एआरटी सेंटर द्वारा एचआईवी से प्रभावित लोगों के लिए दो दिवसीय सामाजिक सुरक्षा-स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल ने शिविर में मौजूद लोगों को जागरूक करते हुए वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, ई-श्रम कार्ड सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने लाभार्थियों को समय पर एआरटी दवाओं का नियमित सेवन, टीबी की समय-समय पर जांच करनी चाहिए इन बीमारियों को पूरा कोर्स करना जरुरी है। डॉ.सिद्धार्थ धनगर ने बताया कि एचआईवी से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव, नोडल अधिकारी डॉ. वितुराजन आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालु का बैग बरामद, बैग में थी लाइसेंसी पिस्टल

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक यात्री का टेंपो में भूला गया बैग तलाश करने के बाद उसे सौंप दिया। बैग में लाइसेंसी पिस्टल, नकदी और अन्य सामान था। बताया गया कि गोवर्धन की परिक्रमा करने के लिए आया एक श्रद्धालु टेंपो में अपना बैग भूल गया। पुलिस को जब उसने बताया कि बैग में लाइसेंसी पिस्टल, नकदी और अन्य सामान है। पुलिस टीम ने तुरंत बैग की तलाश करने के लिए सीसी कैमरों की फुटेज देखी और टेंपो का पता लगाने में जुट गई। पुलिस को तलाश करने पर वहटेंपो मिल गया, जिसमें यात्री का बैग छूटा था। पुलिस ने बैग बरामद करने के बाद श्रद्धालु को सौंप दिया।

बहू की हत्या में ससुर की जमानत खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने बेटे की बहू को विषाक्त पिलाकर हत्या करने वाले ससुर का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।
जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि जिला कारागार में निरुद्ध गैंदा सिंह उर्फ गैंदा लाल ने अपने वकील के माध्यम से जमानत के लिए प्रार्थना पत्र जिला जज की अदालत में दिया। गैदा सिंह उर्फ गैंदा के खिलाफ बेटे की बहू को मूंग में डालने वाली दवा को जबरन पिलाने और उसे घर से निकाल देने आदि का आरोप है। बेटे की बहू की मृत्यु हो जाने के बाद उसके पिता ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिला जज से गैंदा सिंह उर्फ गैंदा लाल की अधिक उम्र के होने के साथ-साथ उसे इस मामले में झूंठा फंसाए जाने की बात उसके अधिवक्ता ने कोर्ट में कही। जबकि अभियोजन की ओर से उसके खिलाफ कई दलीलें दी गई। जिला जज ने दोनों ओर की दलीलें सुनने के बाद अभियुक्त की जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

हंसता आईना

साइबर अपराधी को नही दी कोर्ट ने जमानत

यूनिक, समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार ने साइबर ठगी के मामले में जिला कारागार में निरुद्ध साइबर अपराधी द्वारा दिए गए जमानती प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि साइबर ठगी के मामले जिला कारागार में निरुद्ध शातिर इक्लास की ओर से अपने वकील के माध्यम से जमानत के लिए प्रार्थना पत्र जिला जज के न्यायालय में दिया गया। पुलिस द्वारा अपराधी को झूंठा फंसाए जाने की बात कही गई। इसके साथ ही उस पर लगाए गए आरोप को गलत बताया गया। शासकीय अधिवक्ता ने अपने तर्क में कहा कि वह एक शातिर साइबर क्राइम करने वाला है। उसके बैंक एकाउंट नंबर पर दो शिकायते फ्रॉड की दर्ज हैं। इसके साथ ही उससे बरामद मोबाइल के सामान्य पोर्टल पर दर्ज शिकायतों से स्वतः ही स्पष्ट हो जाता है क्योंकि सामान्य पोर्टल पर शिकायतें तभी दर्ज होती हैं जब किसी पीड़ित व्यक्ति द्वारा 1930 पर कॉल करके अपने साथ हुए ऑन लाइन फ्रॉड को रजिस्टर्ड कराया जाता है। जिला जज ने आवेदक के वकील और सरकारी वकील के तर्क सुनने के बाद जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

संवाद की कमी और आपसी विश्वास में गिरावट से बढ़ रहे वैवाहिक विवाद

बदलती सोच के बीच रिश्तों की डोर हो रही कमजोर

यूनिक समय, मथुरा। बदलते सामाजिक परिवेश और आधुनिक जीवनशैली के बीच पति-पत्नी के रिश्तों में बढ़ती दूरियां अब गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बनती जा रही हैं। कभी आपसी विश्वास, त्याग और समर्पण पर आधारित वैवाहिक संबंध आज छोटी-छोटी बातों पर विवाद, अलगाव और न्यायालयों तक पहुंचने लगे हैं। सामाजिक जानकारों का मानना है कि रिश्तों में संवाद की कमी, बढ़ती अपेक्षाएं, मानसिक तनाव और पारिवारिक मूल्यों में बदलाव इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

मनोविज्ञान से जुड़े प्रो. आनंद कुमार कहना है कि पहले संयुक्त परिवारों में बड़े-बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलने से पति-पत्नी के बीच होने वाले मतभेद समय रहते सुलझ जाते थे। परिवार के सदस्य दोनों पक्षों को समझाकर रिश्तों को टूटने से बचाने का प्रयास करते थे। वहीं आज एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और व्यस्त जीवनशैली के कारण कई बार छोटे विवाद भी बड़े रूप ले लेते हैं।

समाजशास्त्र के प्रो. वेदांत कुमार के अनुसार, विवाह से पहले परिचय या प्रेम संबंध अपने आप में वैवाहिक विवाद का कारण नहीं हैं। किसी भी रिश्ते की सफलता आपसी सम्मान, विश्वास, समझदारी और संवाद पर निर्भर करती है। रिश्तों में पारदर्शिता और एक-दूसरे की भावनाओं को समझना सबसे अधिक आवश्यक है।

उनका मानना है कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का भी संबंध होता है। इसलिए मतभेद होने पर जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय बातचीत, परामर्श और परिवार के सहयोग से समाधान तलाशना चाहिए। यदि पति-पत्नी एक-दूसरे के प्रति सम्मान, धैर्य और विश्वास बनाए रखें तो अधिकांश विवादों का समाधान संभव है और वैवाहिक जीवन को सुखद-मजबूत बनाया जा सकता है।

केस एक- थाना सुरीर के एक गांव में शादीशुदा एक महिला ने प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करा दी। इसके बाद शव को भट्ठे की नाली में फिंकवा दिया। पति के लापता होने का पत्नी कई दिन तक नाटक करती रही। बाद में परिवार की महिलाओं ने बातचीत में उससे पता लगा लिया कि उसका पति अब दुनिया मे नहीं है। इस मामले में महिला के प्रेमी को पुलिस ने हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो वह टूट गया और शव भट्ठे की नाली से बरामद करा दिया।

केस दो- थाना बल्देव के गांव छौली में प्रेमी से फोन पर बात करने के दौरान शोर करने पर गुस्साई मां ने अपने तीन साल के अबोध बेटे को गला दबाकर मार डाला। शातिर महिला ने पति को बच्चे के अचानक नींद से न उठने की बात बताई। पति इस बात पर भरोसा करके बेटे को डॉक्टरों के पास ले गया,जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत के महीने भर बाद महिला द्वारा किया गया गुनाह सामने आया, तब पता चला कि प्रेमी के चक्कर में एक मां ने ही अपने बेटे को ही मौत के घाट उतार दिया। महिला अब जेल में है।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

हर कदम पर दर्द दे रहा है संकेत

तलवों के दर्द को न करें नजरअंदाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह उठते ही या चलते समय अगर पैरों के तलवों में तेज दर्द महसूस होता है तो इसे सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह दर्द कई बार शरीर में छिपी किसी समस्या का संकेत भी हो सकता है। लगातार रहने वाला तलवे का दर्द न केवल चलने-फिरने में परेशानी पैदा करता है, बल्कि रोजमर्रा की दिनचर्या भी प्रभावित कर सकता है। चिकित्सकों के अनुसार इस स्थिति को अक्सर मेटाटार्सलजिया कहा जाता है, जिसमें पैर के अगले हिस्से और तलवों में दर्द महसूस होता है।

किन कारणों से होता है तलवों में दर्द: तलवों के दर्द के पीछे कई कारण हो सकते हैं। सबसे सामान्य वजह गलत फिटिंग वाले जूते या चप्पल पहनना है। ऊंची एड़ी, सख्त सोल या आगे से तंग फुटवियर पैरों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। इसके अलावा लगातार दौड़ना, खेलना, डांस करना या अधिक शारीरिक गतिविधियां भी तलवों में दर्द पैदा कर सकती हैं।

कुछ लोगों के पैरों की बनावट भी इसकी वजह बनती है। चपटे पैर, ऊंची एड़ी या उंगलियों का असामान्य आकार पैरों पर दबाव बढ़ा देता है। वहीं गठिया, गाउट और रूमेटॉइड आर्थराइटिस जैसी बीमारियों में भी सूजन और तेज दर्द की समस्या सामने आती है। मोटापा या अचानक बढ़ा वजन भी तलवों पर अतिरिक्त भार डालता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है।

कैसे पाएं राहत: अगर तलवों में लगातार दर्द हो रहा है तो कुछ समय के लिए पैरों को आराम देना जरूरी है। भारी व्यायाम या दौड़ने से बचें और 24 से 48 घंटे तक

चलने में हो रही तकलीफ तो हो सकती हैं ये गंभीर वजहें

पैरों को अधिक दबाव से दूर रखें। दिन में दो-तीन बार 10 मिनट तक बर्फ की सिकाई करने से सूजन और दर्द कम हो सकता है। आराम करते समय पैरों को थोड़ा ऊंचा रखें ताकि रक्त संचार बेहतर बना रहे।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान: आरामदायक और सही फिटिंग वाले जूते पहनें। लंबे समय तक कठोर फर्श पर नंगे पैर चलने से बचें। पैरों की हल्की मालिश और स्ट्रेचिंग भी राहत देती है। यदि दर्द कई दिनों तक बना रहे, सूजन बढ़ जाए या चलना मुश्किल हो जाए तो बिना देर किए विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लें। समय पर जांच और सही उपचार से यह समस्या आसानी से नियंत्रित की जा सकती है।

पोंछे का ये नुस्खा और मक्खी-मच्छर गायब

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी और बारिश के मौसम में घरों में मक्खी और मच्छरों का आतंक तेजी से बढ़ जाता है। ये न सिर्फ दिन-रात परेशान करते हैं, बल्कि डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देते हैं। ऐसे में अगर आप केमिकल वाले मच्छर भगाने वाले उत्पादों का कम इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो कुछ आसान घरेलू उपाय आजमा सकते हैं। पोंछे के पानी में कुछ प्राकृतिक चीजें मिलाकर फर्श साफ करने से घर की सफाई के साथ-साथ मक्खी और मच्छरों को दूर रखने में मदद मिल सकती है।

इसके लिए पोंछे की एक बाल्टी पानी में आधा कप सफेद सिरका और सामान्य मात्रा में फिनाइल मिलाएं। सिरके की तेज गंध कई कीड़ों को पसंद नहीं होती और इससे फर्श भी अच्छी तरह साफ हो जाता है। इसके अलावा 10 से 15 बूंद नीम का तेल भी पानी में मिलाया जा सकता है। यदि नीम का तेल उपलब्ध न हो तो नीम की पत्तियों को उबालकर उसका पानी इस्तेमाल करें। नीम अपने प्राकृतिक कीट-रोधी गुणों के लिए जाना जाता है।

एक अन्य उपाय के तौर पर दो से तीन कपूर की गोलियों को पीसकर एक चम्मच सेंधा नमक के साथ पोंछे के पानी में मिलाया जा सकता है। कपूर की खुशबू वातावरण को ताजगी देने के साथ कई प्रकार के कीड़ों को दूर रखने में सहायक मानी जाती है। वहीं, लेमनग्रास या नीलगिरी के एसेंशियल ऑयल की 8 से 10 बूंदें भी पानी में मिलाने से घर लंबे समय तक महकता रहता है और उड़ने वाले कीड़ों की मौजूदगी कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, केवल इन घरेलू उपायों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। घर और आसपास पानी जमा न होने दें, नियमित सफाई रखें, कूड़ा समय पर हटाएं और खिड़कियों पर जाली लगाएं। साफ-सफाई और सावधानी के साथ अपनाए गए ये आसान उपाय मानसून के दौरान मक्खी-मच्छरों की परेशानी कम करने में उपयोगी साबित हो सकते हैं।

नाश्ते में लें साउथ का हेल्दी स्वाद

दही-चावल से बनाएं तमिलनाडु की सबसे फेमस 'मोर कली'

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप नाश्ते में हल्का, पौष्टिक और झटपट बनने वाला व्यंजन तलाश रहे हैं तो तमिलनाडु की पारंपरिक डिश मोर कली बेहतरीन विकल्प हो सकती है। दही (या छाछ) और चावल के आटे से बनने वाली यह डिश स्वाद के साथ-साथ सेहत का भी पूरा ख्याल रखती है। कम तेल और हल्के मसालों से तैयार होने के कारण इसे सुबह के नाश्ते या शाम के स्नैक्स में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

मोर कली बनाने के लिए सबसे पहले एक कप चावल के आटे में दो कप छाछ या पतला किया हुआ दही मिलाकर चिकना घोल तैयार करें। इसमें स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद पैन में थोड़ा नारियल या सरसों का तेल गर्म करें और उसमें राई, चना दाल, उड़द दाल, सूखी लाल मिर्च, बारीक कटी हरी मिर्च, करी पत्ता और चुटकीभर हींग डालकर तड़का तैयार करें।

अब तैयार घोल को तड़के में डालें और लगातार चलाते हुए मध्यम आंच पर पकाएं। कुछ ही मिनटों में मिश्रण गाढ़ा होकर उपमा जैसी बनावट लेने लगेगा। जब यह अच्छी तरह पक जाए तो इसे एक बर्तन में निकालकर हल्का दबाते हुए सेट करें। कुछ देर बाद प्लेट में पलट लें और ऊपर से थोड़ा देसी घी डालकर गर्मागर्म परोसें।

स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें बारीक कटी सब्जियां या ऊपर से भुनी हुई मूंगफली भी डाली जा सकती है। यह डिश न सिर्फ स्वादिष्ट होती है, बल्कि लंबे समय तक पेट भरा रखने में भी मदद करती है। कम मसालों और हल्की सामग्री के कारण यह पाचन के लिए भी अच्छी मानी जाती है। वजन नियंत्रित रखने वाले लोगों के लिए भी मोर कली एक हेल्दी और संतुलित नाश्ते का बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है।

मानसून में सफर का मजा होगा दोगुना

रोमांच, हरियाली और सुकून का संगम: अगस्त में घूमिए भारत की ये 5 जन्नत जैसी जगहें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप अगस्त में छुट्टियों की योजना बना रहे हैं, तो यह महीना भारत की प्राकृतिक खूबसूरती को करीब से देखने का सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। मानसून की बारिश से पहाड़, झरने, घाटियां और चाय बागान नई ताजगी से भर उठते हैं। ऐसे में परिवार, दोस्तों या जीवनसाथी के साथ कुछ यादगार पल बिताने के लिए देश के कई पर्यटन स्थल शानदार विकल्प साबित हो सकते हैं। उत्तराखंड की फूलों से सजी घाटियां हों या केरल की हरियाली, हर जगह मानसून का अलग ही आकर्षण देखने को मिलता है।

फूलों की घाटी में बिखरते हैं रंग: उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध वैली ऑफ फ्लावर्स अगस्त में अपने पूरे शबाब पर होती है। इस दौरान घाटी रंग-बिरंगे दुर्लभ पहाड़ी फूलों से ढक जाती है। यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल यह स्थान ट्रेकिंग और प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। बादलों से घिरी चोटियां और ताजा हवा यहां के अनुभव को और खास बना देती हैं।

इगतपुरी में झरनों का जादू: महाराष्ट्र की सह्याद्रि पर्वतमाला में बसा इगतपुरी मानसून के दौरान बेहद आकर्षक नजर आता है। चारों ओर बहते झरने, हरी-भरी वादियां और धुंध से ढकी पहाड़ियां पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। यहां से दिखाई देने वाला कलसुबाई शिखर का दृश्य भी बेहद मनोहारी होता है।

चेरापूंजी का अनोखा मानसून: मेघालय का चेरापूंजी अगस्त में बादलों और बारिश का अद्भुत संगम पेश करता है। यहां का मौसम ठंडा और सुहावना रहता है। जीवित जड़ों से बने पुल, विशाल झरने और हरियाली से घिरी घाटियां पर्यटकों को प्रकृति के बेहद करीब ले जाती हैं।

मुन्नार और गोवा भी हैं बेहतरीन विकल्प: केरल का मुन्नार अगस्त में चाय बागानों की हरियाली और धुंध से ढकी पहाड़ियों के कारण बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। वहीं, गोवा केवल समुद्र तटों के लिए ही नहीं, बल्कि मानसून में दूधसागर जलप्रपात, हरियाली और शांत वातावरण के लिए भी खास पहचान रखता है। बारिश के मौसम में यहां भीड़ कम होती है, जिससे सुकून भरा सफर संभव हो जाता है। यात्रा से पहले रखें इन बातों का ध्यान: मानसून में यात्रा करते समय रेनकोट, छाता, वाटरप्रूफ जूते और जरूरी दवाइयां साथ रखें। पहाड़ी इलाकों में मौसम तेजी से बदल सकता है, इसलिए यात्रा से पहले स्थानीय मौसम की जानकारी अवश्य लें। सही तैयारी के साथ अगस्त की यह यात्रा यादगार और रोमांच से भरपूर बन सकती है।

सुविचार

जो खुद पर विश्वास रखते हैं, वही इतिहास बदलने का साहस रखते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	10:31-11:07 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वभाद्रपदा	08:45-09:37 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:46 AM	चन्द्रोदय	08:49 PM
सूर्यास्त		7:04 PM	चंद्रास्त	08:54 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:59AM – 12:52 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		09:06 AM: 10:45 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। मित्रों से लाभ मिलेगा। नई योजनाएं बनेंगी। धैर्य और संयम बनाए रखें।

मिथुन: नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। व्यापार में लाभ मिलेगा। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। अनावश्यक विवादों से दूरी रखें।

कर्क: पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें। कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। आत्मविश्वास बनाए रखें।

सिंह: नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक लाभ होगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

कन्या: मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। परिवार में खुशियां रहेंगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

तुला: व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। निर्णय सोच-समझकर लें। लाभ मिलेगा।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार के साथ समय बिताएं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। नई योजनाएं सफल होंगी। यात्रा शुभ रहेगी। निवेश से लाभ संभव है। आत्मविश्वास बनाए रखें।

मकर: कार्यों में व्यस्तता रहेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक तनाव से बचें। संयम रखें।

कुंभ: नौकरी और व्यापार में उन्नति होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। रुका धन मिलने के योग हैं। सकारात्मक सोच लाभ देगी।

मीन: धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नए अवसर मिलेंगे।

हरियाली तीज इस बार 15 अगस्त को

इस विधि से करें पूजा, मिलेगा अखंड सौभाग्य और सुख-शांति

यूनिक समय, मथुरा। हरियाली तीज इस बार 15 अगस्त को मनाई जाएगी। यह पर्व सावन माह के शुक्ल पक्ष को आता है और विशेष रूप से सुहागिन महिलाओं के लिए अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यह त्योहार भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जिसमें महिलाएं सौभाग्य, सुख-शांति और अपने पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए व्रत करती हैं।

पूजा विधि: इस दिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के बाद हरे या पीले वस्त्र पहनना शुभ होता है। पूजा स्थल को शुद्ध करके गोबर या गीली मिट्टी से लीपकर गंगाजल छिड़कें। फर माता पार्वती और भगवान शिव की मूर्ति या चित्र को चौकी पर स्थापित करें। बालू या मिट्टी से भी प्रतिमा बनाई जा सकती है। पूजा में बेलपत्र, धतूरा, फल-फूल, सुपारी, चंदन, पंचामृत, और सोलह श्रृंगार की सामग्री का प्रयोग करें। दीपक और धूप जलाकर मंत्रों के साथ विधिपूर्वक पूजा करें।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

व्रत और नियम : इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं, अर्थात जल तक ग्रहण नहीं करतीं। वे सोलह श्रृंगार करती हैं, हरे रंग की साड़ी, चूड़ियां, बिंदी और मेहंदी पहनना अत्यंत शुभ माना जाता है। लोक परंपरा के अनुसार, महिलाएं झूला झूलती हैं, लोक गीत गाती हैं और सामूहिक रूप से पूजा करती हैं।

पूजन समापन : अगले दिन पूजा में प्रयुक्त मिट्टी या बालू की प्रतिमा को किसी पवित्र नदी या जलस्रोत में विसर्जित किया जाता है। सूर्योदय के बाद व्रत का पारण करके जल एवं फल ग्रहण किया जाता है।

धार्मिक महत्त्व : कहा जाता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए 108 जन्मों तक तपस्या की थी। हरियाली तीज उसी तपस्या की स्मृति है। कुंवारी कन्याएं भी इस दिन व्रत रखती हैं ताकि उन्हें इच्छित जीवनसाथी प्राप्त हो सके।

हरियाली तीज केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति, प्रेम और पारिवारिक समर्पण का उत्सव भी है, जो जीवन में हरियाली और सुख-समृद्धि का संचार करता है।

इन मूलांकों को पसंद होती है लग्ज़री और शानोशौकत

यूनिक समय, मथुरा। अंक ज्योतिष की पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार कुछ मूलांक वाले लोगों को स्टाइल, आकर्षक व्यक्तित्व और लग्ज़री जीवनशैली पसंद हो सकती है। हालांकि, अंक ज्योतिष के दावों की वैज्ञानिक पुष्टि नहीं हुई है और किसी व्यक्ति का स्वभाव केवल मूलांक से तय नहीं होता। मान्यता है कि मूलांक 1 (1, 10, 19, 28) वाले लोग नेतृत्व पसंद करते हैं और अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा रखते हैं। मूलांक 3 (3, 12, 21, 30) के लोग सामाजिक जीवन, फैशन और अपनी उपलब्धियों को साझा करने में रुचि रखते हैं। वहीं मूलांक 5 (5, 14, 23) वाले लोगों को नई चीजें, यात्रा और बदलते ट्रेंड पसंद माने जाते हैं। मूलांक 6 (6, 15, 24) के जातकों को सुंदरता, आरामदायक जीवन, अच्छे वस्त्र और लग्ज़री वस्तुओं की ओर आकर्षण होने की बात कही जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व केवल जन्मतिथि से नहीं, बल्कि परिवार, शिक्षा, परिवेश, अनुभव और जीवन परिस्थितियों से भी प्रभावित होता है। इसलिए अंक ज्योतिष को केवल पारंपरिक मान्यता के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

सही दिशा में लगाएं क्रसुला का पौधा, होगी पैसों की बारिश

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप भी आर्थिक तंगी से परेशान हैं और पैसों की कमी हमेशा बनी रहती है, तो वास्तु शास्त्र में बताए गए उपायों में से एक यह उपाय आपके लिए कारगर हो सकता है। पंडित मनोत्पल झा के अनुसार, क्रसुला का पौधा – जिसे जेड प्लांट या मनी प्लांट भी कहा जाता है – घर में धन वृद्धि और मानसिक शांति लाने वाला माना गया है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस पौधे को उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) या दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) दिशा में लगाना शुभ होता है। यह दिशा धन की

दिशा मानी जाती है और यहां रखा गया पौधा सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है। इस पौधे को घर के मंदिर या ड्राइंग रूम के उत्तर दिशा के कोने में भी रखा जा सकता है। क्रसुला का पौधा न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि इसके जरिए धन, समृद्धि और शुभता भी आकर्षित होती है। गुरुवार या शुक्रवार का दिन इसे लगाने के लिए सबसे उपयुक्त माना गया है। पौधा लगाते समय मन में समृद्धि की कामना करें। ऐसा माना जाता है कि यह पौधा जहां भी सही दिशा में रखा जाता है, वहां पैसों की कभी कमी नहीं होती।

चीन और अफ्रीका में भी यह पौधा सौभाग्य और धन का प्रतीक माना जाता है। यदि आप भी चाहते हैं कि आपके घर में पैसे की वर्षा हो, तो एक बार इस पौधे को वास्तु अनुसार सही स्थान पर अवश्य लगाएं।

आखिर भोलेनाथ को कौन सा लगता है सबसे प्रिय भोग

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भोलेनाथ को वैभव या महंगे भोग से अधिक सच्ची श्रद्धा और भक्ति प्रिय है। इसी कारण उन्हें सबसे सरल और दयालु देव माना जाता है।

शास्त्रों में शिव पूजा के दौरान बेलपत्र, गंगाजल, दूध, दही, शहद, धतूरा, भांग, आक के फूल और मौसमी फल अर्पित करने का उल्लेख मिलता है। इनमें बेलपत्र का विशेष महत्व बताया गया है। प्रसिद्ध श्लोक

बेलपत्र और जल से प्रसन्न होते हैं शिव

"त्रिदलं त्रिगुणाकारं..." के अनुसार तीन पत्तों वाला बेलपत्र भगवान शिव के तीन नेत्रों और तीन गुणों का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक विद्वानों का मानना है कि भगवान शिव के लिए भोग की भव्यता नहीं, बल्कि भक्त की भावना सर्वोपरि होती है। सच्चे मन से अर्पित किया गया जल और बेलपत्र भी भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए पर्याप्त माना गया है।

आधुनिक वैज्ञानिक से पहले तुलसीदास ने बता दी थी पृथ्वी से सूर्य की दूरी

यूनिक समय, मथुरा। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा 16वीं शताब्दी में रचित हनुमान चालीसा की एक प्रसिद्ध चौपाई इन दिनों फिर चर्चा का विषय बनी हुई है। "युग सहस्त्र योजन पर भानु, लील्यो ताहि मधुर फल जानू" चौपाई को लेकर कई लोग दावा कर रहे हैं कि इसमें पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी का उल्लेख मिलता है। इस विषय पर धार्मिक आस्था और वैज्ञानिक दृष्टिकोण, दोनों स्तरों पर लंबे समय से चर्चा होती रही है।

प्रचलित व्याख्या के अनुसार, "युग", "सहस्त्र" और "योजन" को वैदिक माप इकाइयों के रूप में जोड़कर गणना की जाती है। कुछ विद्वानों के अनुसार, इस गणना से पृथ्वी और सूर्य

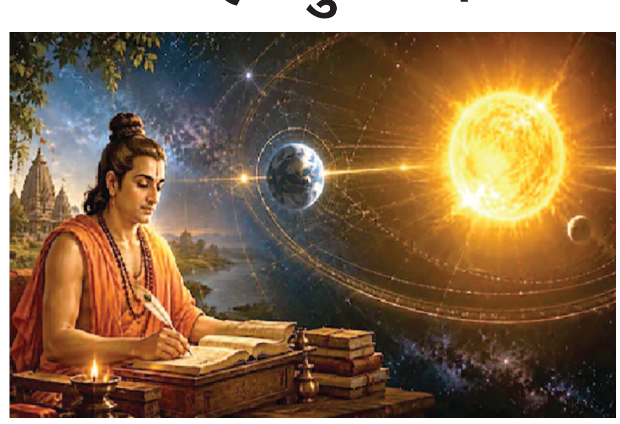

की दूरी लगभग 15.36 करोड़ किलोमीटर निकलती है। वहीं आधुनिक खगोल विज्ञान के अनुसार पृथ्वी और सूर्य के बीच औसत दूरी लगभग 14.96 करोड़ किलोमीटर मानी जाती है। इसी समानता के कारण यह चौपाई अक्सर चर्चा और शोध का विषय बन जाती है।

हालांकि, अनेक इतिहासकार और वैज्ञानिक यह भी मानते हैं कि इस

तुलसीदास की रचना ने फिर छेड़ी नई वैज्ञानिक बहस

रोज हनुमान चालीसा में पढ़ते हैं आप

चौपाई का मूल उद्देश्य भगवान हनुमान के बाल्यकाल के पराक्रम का वर्णन करना था, न कि वैज्ञानिक दूरी बताना। उनका कहना है कि प्राचीन ग्रंथों की व्याख्या करते समय धार्मिक संदर्भ और सांकेतिक भाषा को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। इसलिए इसे प्रत्यक्ष वैज्ञानिक प्रमाण मानने के बजाय सांस्कृतिक और दार्शनिक दृष्टि से भी समझना चाहिए। इतिहास बताता है कि पृथ्वी और सूर्य की दूरी मापने के प्रयास प्राचीन यूनानी खगोलविद आरिस्तार्चस से लेकर आधुनिक वैज्ञानिकों तक लगातार होते रहे हैं। बाद में दूरबीन, उपग्रह और उन्नत तकनीकों की सहायता से इस दूरी का अधिक सटीक आकलन संभव हुआ।

हनुमान चालीसा की यह चौपाई आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। वहीं इसकी गणना को लेकर समय-समय पर होने वाली चर्चाएं यह दर्शाती हैं कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद की संभावनाएं आज भी लोगों में गहरी जिज्ञासा पैदा करती हैं।

सम्पादकीय

दंगे का इंसाफ, न्यायपालिका का भरोसा फिर हुआ मजबूत

दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के बहुचर्चित मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट द्वारा पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन सहित पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाया जाना केवल एक आपराधिक मामले का फैसला नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की गंभीरता और कानून के शासन का महत्वपूर्ण संदेश भी है। लगभग छह वर्षों तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद आया यह निर्णय बताता है कि लोकतंत्र में न्याय भले देर से मिले, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया अंततः तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर अपना निष्कर्ष तक पहुंचती है। दिल्ली दंगे स्वतंत्र भारत के सबसे दुखद सांप्रदायिक घटनाक्रमों में गिने जाते हैं। इन दंगों में अनेक लोगों की जान गई, सैकड़ों घायल हुए और बड़ी संख्या में घरों तथा दुकानों को नुकसान पहुंचा। ऐसी घटनाएं केवल जान-माल की हानि नहीं करतीं, बल्कि समाज में अविश्वास और विभाजन की गहरी रेखाएं भी छोड़ जाती हैं। इसलिए ऐसे मामलों में निष्पक्ष और समयबद्ध न्याय समाज के विश्वास को बनाए रखने के लिए आवश्यक होता है। अंकित शर्मा की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अदालत ने भी अपने फैसले में इस अपराध की गंभीरता का उल्लेख किया है। हालांकि न्यायालय का निर्णय विस्तृत साक्ष्यों, गवाहों और कानूनी प्रक्रिया पर आधारित होता है, इसलिए ऐसे मामलों को भावनाओं के बजाय न्यायिक निष्कर्षों के आधार पर ही देखा जाना चाहिए। यही संवैधानिक व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति है।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

यह फैसला एक और महत्वपूर्ण संदेश देता है कि हिंसा, भीड़तंत्र और सांप्रदायिक उन्माद किसी भी लोकतांत्रिक समाज का समाधान नहीं हो सकते। चाहे अपराधी किसी भी राजनीतिक दल, सामाजिक वर्ग या धार्मिक पहचान से जुड़ा हो, कानून के सामने सभी समान हैं। यदि न्याय व्यवस्था निष्पक्ष रूप से कार्य करती है तो इससे आम नागरिक का विश्वास भी मजबूत होता है। देश के लिए सबसे बड़ी सीख यही है कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक तरीके से सुलझाए जाएं। विरोध, आंदोलन और असहमति लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन हिंसा कभी स्वीकार्य नहीं हो सकती। दंगों में सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों का होता है, जबकि वर्षों तक अदालतों और जांच एजेंसियों को सच्चाई स्थापित करने में समय लगता है। अंततः यह फैसला केवल दोषियों की सजा तक सीमित नहीं है, बल्कि कानून के राज, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और सामाजिक शांति के महत्व की भी याद दिलाता है। भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और लोकतंत्र में असहमति का समाधान केवल संविधान और कानून के दायरे में ही खोजा जाए।

नजरिया

पेपर लीक पर बहस में राजनीतिक टकराव छात्रों की उम्मीदें बनीं सबसे बड़ा सवाल

बोध प्रकाश सगुणी

लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक पारित होने के दौरान हुई बहस ने देश के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न फिर खड़ा कर दिया है—क्या केवल नया कानून बना देने से प्रतियोगी परीक्षाओं में होने वाली अनियमितताओं और पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा? यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बीते कई वर्षों में विभिन्न राज्यों और अलग-अलग भर्ती एजेंसियों की परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षा रद्द होने और भर्ती प्रक्रियाओं के वर्षों तक अटक जाने की घटनाओं ने करोड़ों युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। लाखों अभ्यर्थियों ने कठिन परिश्रम, समय और आर्थिक संसाधन लगाकर परीक्षाओं की तैयारी की, लेकिन कुछ संगठित गिरोहों और प्रशासनिक कमजोरियों के कारण उनकी मेहनत पर बार-बार पानी फिरता रहा। ऐसे में संसद में हुई चर्चा केवल एक विधेयक तक सीमित नहीं थी, बल्कि देश के युवाओं की अपेक्षाओं और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता से भी जुड़ी हुई थी।

सरकार ने इस संशोधन विधेयक को परीक्षा माफिया के खिलाफ निर्णायक कदम बताया। सरकार का तर्क है कि नई कानूनी व्यवस्था के माध्यम से प्रश्नपत्र लीक कराने वाले संगठित गिरोहों, तकनीकी अपराधों और भर्ती प्रक्रियाओं में गड़बड़ी करने वाले तत्वों के खिलाफ अधिक कठोर कार्रवाई संभव होगी। सरकार का कहना है कि परीक्षा प्रणाली को आधुनिक तकनीक, डिजिटल निगरानी और सख्त दंड व्यवस्था से जोड़ा जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। यदि इन प्रावधानों का प्रभावी और निष्पक्ष क्रियान्वयन होता है तो निश्चित रूप से इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे सकता है। लेकिन किसी भी कानून की सफलता उसके प्रावधानों से अधिक उसके ईमानदार और पारदर्शी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है।

संसद की बहस के दौरान सरकार ने यह भी कहा कि पेपर लीक की समस्या किसी एक राज्य, किसी एक सरकार या किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं रही है। पिछले दो दशकों में देश के अनेक राज्यों में रेलवे भर्ती, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के मामले सामने आते रहे हैं। सरकार का तर्क था कि यह एक राष्ट्रीय चुनौती है, जिसके समाधान के लिए कठोर और व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता थी। इसी आधार पर विधेयक को आवश्यक सुधार बताया गया। विपक्ष ने भी बहस के दौरान अपनी आपत्तियां और सवाल रखे। विपक्ष का कहना था कि केवल कठोर कानून बना देने से समस्या का पूर्ण समाधान नहीं होगा। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही, भर्ती एजेंसियों की कार्यप्रणाली, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, तकनीकी व्यवस्था, साइबर सुरक्षा और प्रशासनिक सुधारों पर समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। विपक्ष का यह भी कहना था कि यदि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित नहीं होगी तो युवाओं का विश्वास पूरी तरह बहाल नहीं हो सकेगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों पर प्रश्न उठाना विपक्ष का अधिकार और दायित्व दोनों है। किंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि आलोचना तथ्यों, तर्कों और रचनात्मक सुझावों पर आधारित हो। दुर्भाग्य से संसद की इस बहस में कई अवसर ऐसे भी आए जब मूल विषय से अधिक राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चर्चा का केंद्र बन गए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से तीखे शब्दों, व्यक्तिगत टिप्पणियों और राजनीतिक कटाक्षों का आदान-प्रदान हुआ। इससे बहस की गंभीरता प्रभावित हुई। संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है, जहां राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर गंभीर और मर्यादित संवाद की अपेक्षा की जाती है। शिक्षा और रोजगार जैसे संवेदनशील विषयों पर व्यक्तिगत हमलों और राजनीतिक नारेबाजी के बजाय समाधान आधारित विमर्श अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता था।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण पक्ष देश के करोड़ों युवा हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए राजनीति नहीं, बल्कि निष्पक्ष अवसर सबसे बड़ी प्राथमिकता है। कई छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, परिवार आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उनका साथ देता है और वे अपने भविष्य की उम्मीद सरकारी नौकरियों से जोड़ते हैं। जब किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है या भर्ती प्रक्रिया रद्द होती है, तब केवल परीक्षा ही प्रभावित नहीं होती बल्कि युवाओं का मनोबल भी टूटता है। बार-बार परीक्षा देना, तैयारी जारी रखना और अनिश्चितता का सामना करना उनके लिए मानसिक, आर्थिक और सामाजिक चुनौती बन जाता है। इसलिए संसद में होने वाली हर चर्चा का अंतिम उद्देश्य युवाओं का विश्वास मजबूत करना होना चाहिए।

यह भी स्पष्ट है कि पेपर लीक जैसी समस्या केवल आपराधिक गतिविधि नहीं बल्कि प्रशासनिक और तकनीकी चुनौती भी है। परीक्षा केंद्रों की निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित छपाई और वितरण, डिजिटल एन्क्रिप्शन, डेटा सुरक्षा, भर्ती एजेंसियों की जवाबदेही और समयबद्ध जांच जैसी व्यवस्थाओं को समान रूप से मजबूत करना होगा। यदि जांच वर्षों तक लंबित रहती है या दोषियों को समय पर सजा नहीं मिलती तो कानून का भय समाप्त हो जाता है। इसलिए त्वरित जांच और शीघ्र न्याय भी उतना ही आवश्यक है जितना कठोर दंड का प्रावधान।

संसद में हुई चर्चा का एक सकारात्मक पक्ष यह रहा कि पेपर लीक का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र में आया। इससे यह संदेश गया कि परीक्षा प्रणाली में सुधार अब केवल प्रशासनिक विषय नहीं बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुका है। अब सरकार के सामने चुनौती यह है कि वह नए कानून के साथ-साथ ऐसी संस्थागत व्यवस्थाएं विकसित करे जिनसे परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीक आधारित बन सके। दूसरी ओर विपक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह केवल विरोध तक सीमित न रहकर व्यावहारिक सुझावों और रचनात्मक सहयोग के माध्यम से सुधार प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाए।

लोकतंत्र में स्वस्थ बहस किसी भी कानून को बेहतर बनाने का माध्यम होती है। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर संवाद का स्तर ऐसा होना चाहिए जिससे जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास मजबूत हो। शिक्षा और रोजगार ऐसे विषय हैं जिन पर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अधिक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। यदि सरकार और विपक्ष दोनों मिलकर परीक्षा सुधारों पर दीर्घकालिक नीति तैयार करें, तो इसका लाभ सीधे उन युवाओं को मिलेगा जो अपने भविष्य के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं पर निर्भर हैं।

विचार विंडो

मर्यादा भूले या विवादों से बटोर रहे हैं सुर्खियां

नीरज कुमार दुबे

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि नागरिक सरकार, नेताओं, नीतियों और सार्वजनिक व्यक्तियों से बेझिझक सवाल पूछ सकते हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है और स्वस्थ आलोचना किसी भी शासन को अधिक जवाबदेह बनाती है। लेकिन जब आलोचना का स्वर व्यक्तिगत कटाक्ष, अपमानजनक भाषा और सामाजिक मर्यादाओं से टकराने लगे, तब यह बहस स्वाभाविक हो जाती है कि असहमति की सीमा क्या होनी चाहिए और सार्वजनिक संवाद की गरिमा कैसे बनी रह सकती है।

हाल के दिनों में सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर कई ऐसे बयान सामने आए हैं, जिन पर व्यापक चर्चा हुई। कुछ बयानों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा बताया गया, जबकि कई लोगों ने उन्हें व्यक्तिगत मर्यादा का उल्लंघन माना। यही विवाद एक बार फिर इस प्रश्न को सामने लाता है कि लोकतांत्रिक समाज में आलोचना और अभद्रता के बीच की रेखा कहां खिंचती है।

लोकतंत्र में किसी भी सरकार की नीतियों, निर्णयों और कार्यशैली की आलोचना पूरी तरह स्वीकार्य है। नागरिकों को यह अधिकार संविधान देता है कि वे अपनी असहमति दर्ज करें, सवाल पूछें और जवाब मांगें। लेकिन आलोचना तब अधिक प्रभावी मानी जाती है जब वह तथ्यों, तर्कों और वैकल्पिक सुझावों पर आधारित हो। यदि बहस का केंद्र नीति के बजाय व्यक्ति का स्वरूप, निजी जीवन या परिवार बन जाए, तो मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और संवाद का स्तर भी प्रभावित होता है।

सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक परिवर्तन है, क्योंकि अब संवाद कुछ सीमित मंचों तक नहीं रह गया है। लेकिन इसी के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के लाखों अनुयायी होते हैं और उनके शब्द समाज पर प्रभाव डालते हैं। ऐसे में किसी भी टिप्पणी का चयन सोच-समझकर किया जाना चाहिए, क्योंकि एक विवादित या असंयमित वक्तव्य कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकता है।

यह भी सच है कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं, कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अन्य चर्चित व्यक्तियों को आलोचना का सामना करना पड़ता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन आलोचना और व्यक्तिगत अपमान के बीच स्पष्ट अंतर है। किसी नीति का विरोध करना, किसी निर्णय पर सवाल उठाना या किसी बयान से असहमति जताना लोकतांत्रिक अधिकार है। वहीं किसी व्यक्ति के निजी स्वरूप, परिवार या व्यक्तिगत विशेषताओं को निशाना बनाना बहस को कमजोर कर देता है।

भारतीय समाज में सार्वजनिक संवाद की एक लंबी परंपरा रही है, जिसमें मतभेद के बावजूद सम्मान बनाए रखने का प्रयास किया जाता रहा है। संसद से लेकर साहित्य, पत्रकारिता और सामाजिक आंदोलनों तक अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां तीखे वैचारिक मतभेद होने के बावजूद भाषा की गरिमा बनी रही।

बदलते समय में सोशल मीडिया की तात्कालिक प्रतिक्रिया संस्कृति ने संवाद की शैली को अधिक आक्रामक बना दिया है। कई बार लोकप्रियता, वायरल होने की होड़ या राजनीतिक ध्रुवीकरण के कारण भाषा का संयम पीछे छूट जाता है।

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान को लेकर भी समय-समय पर बहस होती रही है। आधुनिक समाज में यह स्वीकार किया जाता है कि सम्मान केवल उम्र से नहीं, बल्कि व्यवहार, विचार और आचरण से भी जुड़ा होता है। दूसरी ओर भारतीय सांस्कृतिक परंपरा बुजुर्गों के प्रति सम्मान को सामाजिक मूल्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा मानती है। इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। किसी विचार से असहमत होना स्वाभाविक है, लेकिन पूरे वर्ग का उपहास उड़ाने वाली भाषा सामाजिक संवाद को सकारात्मक दिशा नहीं देती।

आज के दौर में सोशल मीडिया पर किसी भी बयान की प्रतिक्रिया तुरंत सामने आ जाती है। यही कारण है कि सार्वजनिक हस्तियों के लिए जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उनके शब्द केवल व्यक्तिगत राय नहीं रह जाते, बल्कि लाखों लोगों तक पहुंचने वाला संदेश बन जाते हैं। इसलिए विचारों की स्वतंत्रता के साथ भाषा की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उद्देश्य विचारों का आदान-प्रदान है, न कि संवाद को कटुता की ओर ले जाना। लोकतांत्रिक समाज की मजबूती केवल अधिकारों पर नहीं, बल्कि जिम्मेदार आचरण पर भी निर्भर करती है।

यदि सार्वजनिक विमर्श में संयम, शिष्टाचार और तथ्यपरकता बनी रहती है तो मतभेद भी सकारात्मक परिणाम देते हैं। वहीं जब संवाद व्यक्तिगत आरोपों, अपमान और कटाक्ष तक सीमित हो जाता है, तब मूल मुद्देपीछे छूट जाते हैं और समाज में अनावश्यक ध्रुवीकरण बढ़ने लगता है।

अंततः आवश्यकता इस बात की है कि लोकतांत्रिक असहमति को सम्मानजनक भाषा और तर्कपूर्ण संवाद के साथ व्यक्त किया जाए। सरकारों से सवाल पूछना, सार्वजनिक व्यक्तियों की आलोचना करना और नीतियों पर बहस करना लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि संवाद की गरिमा और सामाजिक मर्यादा बनी रहे। विचारों का संघर्ष लोकतंत्र को मजबूत करता है, जबकि व्यक्तिगत अपमान और अभद्र भाषा केवल बहस की गुणवत्ता को कमजोर करती है। स्वस्थ लोकतंत्र वही है जहां मतभेद तीखे हों, लेकिन भाषा संयमित और सम्मानजनक बनी रहे।

जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को एकतरफा मुकाबले में हराया

गोल्ड से बस एक जीत दूर 5-0 की धमाकेदार जीत से फाइनल में बनाई जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजी को बड़ी सफलता मिली है। महिला 54 किलोग्राम भार वर्ग में युवा बॉक्सर प्रीति पवार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ प्रीति ने भारत के लिए कम से कम रजत पदक सुनिश्चित कर दिया है, जबकि अब उनकी नजरें स्वर्ण पदक पर टिकी हैं। फाइनल मुकाबले में उनका सामना कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से होगा।

हरियाणा के भिवानी की रहने वाली 22 वर्षीय प्रीति ने पूरे मुकाबले में आत्मविश्वास, संयम और तकनीकी कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। शुरुआत से ही उन्होंने आक्रामक रणनीति अपनाई और अपने सटीक पंचों से कैथरीन म्वापे को संभलने का मौका नहीं दिया। खास तौर पर उनका 'लेफ्ट स्ट्रेट' पंच बेहद प्रभावी साबित हुआ, जिसने विरोधी खिलाड़ी की लय पूरी तरह बिगाड़ दी। प्रीति ने काउंटर अटैक की रणनीति के साथ लगातार अंक जुटाए और मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा।

मुकाबले के पहले दो राउंड में म्वापे को तीन बार 'एट-काउंट' का सामना करना पड़ा, जो प्रीति की आक्रामकता और सटीक मुक्कों का प्रमाण था। दूसरे राउंड में सभी पांच जजों ने 10-8 के स्कोर से प्रीति के पक्ष में फैसला दिया। अंतिम राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज ने अपनी बढ़त बरकरार रखी, जबकि म्वापे पूरे समय उनके हमलों से बचने का प्रयास करती रहीं। अंत में सभी जजों ने सर्वसम्मति से मुकाबला प्रीति के नाम कर दिया।

फाइनल में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से होगी भिड़ंत

जीत के बाद प्रीति पवार ने कहा कि वह अपनी इस सफलता से बेहद खुश हैं क्योंकि उन्होंने वही प्रदर्शन किया, जिसकी तैयारी लंबे समय से कर रही थीं। उन्होंने कहा कि फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और वह किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेतीं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय कोच की रणनीति और कड़ी मेहनत को भी दिया।

एशियन गेम्स की कांस्य पदक विजेता प्रीति अब कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय मुक्केबाजी को नई ऊंचाई देने के बेहद करीब पहुंच गई हैं। पूरे देश की निगाहें अब फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां उनसे एक और यादगार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

कालीन भैया से मुन्ना भैया तक 8 शहरों में करेंगे रोड शो

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओटीटी की सबसे चर्चित क्राइम फ्रेंचाइजी 'मिर्जापुर' अब बड़े पर्दे पर अपना दबदबा कायम करने के लिए तैयार है। वेब सीरीज की जबरदस्त लोकप्रियता के बाद अब 'मिर्जापुरः द मूवी' को लेकर दर्शकों में भारी उत्साह है। फिल्म के टीजर ने पहले ही सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, वहीं अब ट्रेलर रिलीज और प्रमोशन को लेकर मेकर्स ने बड़ा प्लान तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार फिल्म का ट्रेलर 11 अगस्त को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च किया जाएगा। इस दौरान पूरी स्टारकास्ट और निर्माता-निर्देशक मौजूद रहेंगे। ट्रेलर रिलीज के तुरंत बाद फिल्म के प्रचार के लिए कलाकार देशभर के सात से आठ प्रमुख शहरों की रोड ट्रिप पर निकलेंगे, जहां वे प्रशंसकों से सीधे मुलाकात करेंगे और फिल्म को लेकर माहौल बनाएंगे। हाल ही में जारी टीजर ने दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ा दी है। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, मुन्ना भैया के किरदार में दिव्येंदु शर्मा और गुड्डू पंडित के रूप में अली फजल की दमदार झलक देखने को मिली। सबसे बड़ा सरप्राइज अभिनेता जितेंद्र कुमार की एंट्री को माना जा रहा है, जो इस फिल्म में एक नए अंदाज में नजर आएंगे। वहीं रवि किशन का किरदार भी कहानी में नया मोड़ लाने वाला माना जा रहा है। फिल्म की कहानी मिर्जापुर के शुरुआती दौर यानी वर्ष 2018 की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक तरह की ओरिजिन स्टोरी होगी, जिसमें कालीन भैया के साम्राज्य, मुन्ना भैया की महत्वाकांक्षा और पंडित ब्रदर्स के उभार को नए अंदाज में दिखाया जाएगा। यही वजह है कि सीरीज में

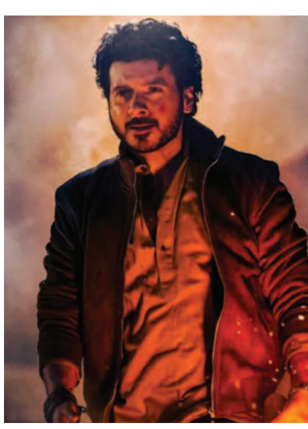

मिर्जापुरः द मूवी का भौकाल शुरू, 11 अगस्त को ट्रेलर

खत्म हो चुके मुन्ना भैया इस फिल्म में फिर से अपने पुराने अंदाज में दिखाई देंगे। सत्ता, बदले और वर्चस्व की जंग इस बार बड़े पर्दे पर और भी भव्य रूप में देखने को मिलेगी। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण अमेजॉन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने किया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले पुनीत कृष्णा ने लिखा है, जबकि निर्माता रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर हैं। 'मिर्जापुरः द मूवी' 4 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स को उम्मीद है कि ओटीटी की तरह बड़े पर्दे पर भी मिर्जापुर का यह नया अध्याय दर्शकों के बीच जबरदस्त भौकाल मचाएगा।

एशियन लीग में फिर जगेगी भारत-पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला देखने का मौका आने वाला है। हालांकि यह मुकाबला अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं, बल्कि एशियन लीजेंड्स लीग 2026 का हिस्सा होगा। रविवार, 2 अगस्त को इंडियन रॉयल्स और पाकिस्तान पैंथर्स आमने-सामने होंगी। दोनों देशों के पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों से सजी यह भिड़ंत टूर्नामेंट का सबसे चर्चित मुकाबला मानी जा रही है। भारत-पाकिस्तान के मैच हमेशा से क्रिकेट प्रेमियों के लिए खास रहे हैं और इस बार भी मुकाबले को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। एशियन लीजेंड्स लीग का आगाज 30 जुलाई से हो चुका है। उद्घाटन मुकाबले में श्रीलंका लॉयन्स ने अफगानिस्तान पठान्स को 15 रन से हराकर विजयी शुरुआत की। शुक्रवार को पाकिस्तान पैंथर्स का सामना एशियन स्टार्स से होगा, जबकि इंडियन रॉयल्स अपनी अभियान की शुरुआत बांग्लादेश टाइगर्स के खिलाफ करेगी। इन मुकाबलों के बाद सभी की निगाहें भारत और पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मैच पर टिकी होंगी।

इंडियन रॉयल्स की कमान पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के हाथों में है। टीम में सुरेश रैना, यूसुफ पठान, अंबाती रायुडू, दिनेश कार्तिक, हरभजन सिंह, नमन ओझा और स्टुअर्ट बिन्नी जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जो अपने अनुभव से टीम को मजबूती देंगे।

दूसरी ओर पाकिस्तान पैंथर्स की कप्तानी मोहम्मद हफीज कर रहे हैं। टीम में शोएब मलिक, कामरान अकमल, उमर अकमल, शरजील खान, सोहेल तनवीर, वहाब रियाज,

रविवार को धवन बनाम हफीज का महामुकाबला

सईद अजमल और मोहम्मद इरफान जैसे पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मौजूद हैं। इन खिलाड़ियों ने वर्षों तक भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में हिस्सा लिया है, जिससे इस मैच का रोमांच और बढ़ गया है।

टूर्नामेंट में कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं और हर टीम में एशियाई क्रिकेट के कई दिग्गज शामिल हैं। क्रिकेट प्रशंसकों की नजर अब रविवार के उस मुकाबले पर है, जब शिखर धवन और मोहम्मद हफीज अपनी-अपनी टीमों के साथ मैदान पर उतरेंगे। अनुभवी सितारों से सजा यह मुकाबला एक बार फिर भारत-पाकिस्तान क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता की पुरानी यादों को ताजा करने के लिए तैयार है।

मां के बिछड़ने से टूटे जस्सी गिल

भावुक पोस्ट से छलका दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाबी गायक और अभिनेता जस्सी गिल पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी मां सरदारनी रविंदर कौर का 27 जुलाई को निधन हो गया। इस दुखद खबर के सामने आने के बाद पंजाबी फिल्म और संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर फैंस और कई कलाकार उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

मां के निधन की जानकारी जस्सी गिल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। उन्होंने भावुक शब्दों में अपनी मां को याद करते हुए लिखा, "हर जनम बने तू मां मेरी, हर जनम में तेरा बेटा होगा। अलविदा मां जब तक हम फिर से न मिलें, शांति से आराम करो।" उनका यह भावनात्मक संदेश पढ़कर प्रशंसकों की आंखें भी नम हो गईं और हजारों लोगों ने उन्हें हिम्मत बनाए रखने की दुआ दी। परिवार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, रविंदर कौर की अंतिम अरदास लुधियाना में आयोजित की गई,

5 अगस्त को होगी अंतिम प्रार्थना सभा

जिसमें रिश्तेदारों, करीबी मित्रों और पंजाबी मनोरंजन जगत से जुड़े कई लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना भी की गई।

जस्सी गिल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए यह भी बताया कि उनकी मां की स्मृति में 5 अगस्त 2026 को अंतिम प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से 1:30 बजे तक होगा, जिसमें परिवार ने शुभचिंतकों, रिश्तेदारों और प्रशंसकों से शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने की अपील की है।

मां के निधन से जस्सी गिल गहरे सदमे में हैं। ऐसे कठिन समय में उनके प्रशंसक और इंडस्ट्री के साथी लगातार उन्हें ढांढस बंधा रहे हैं और रविंदर कौर की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

एक गलतफहमी से बिखरेगा अभिरा-मुक्ति का रिश्ता

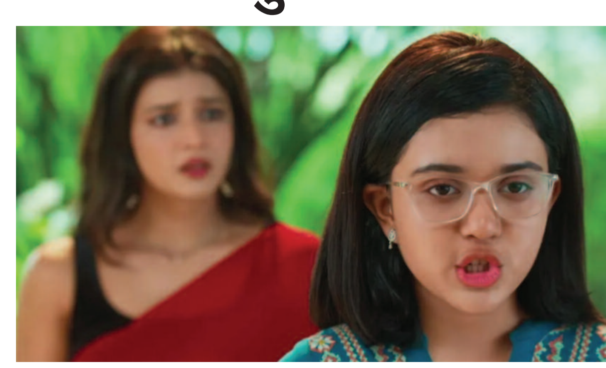

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में आने वाले एपिसोड में पोद्दार परिवार की खुशियों पर संकट के बादल मंडराने वाले हैं। मायरा के जन्मदिन और शादी के ऐलान के बाद अब कहानी में एक ऐसा मोड़ आने वाला है, जो अभिरा और मुक्ति के रिश्ते की नींव हिला देगा। एक छोटी-सी गलतफहमी पूरे परिवार के लिए बड़ी मुसीबत बन जाएगी। कहानी में अमृता की एंट्री होती है, जो मुक्ति को अभिरा और अरमान से दूर ले जाने की कोशिश करती है। अभिरा साफ कर देती है कि मुक्ति कहीं नहीं जाएगी और यदि अमृता उसके साथ रहना चाहती हैं तो उन्हें उदयपुर आना होगा। शुरुआत में मुक्ति भी यही फैसला करती है, लेकिन हालात अचानक बदल जाते हैं। मायरा की गलती से मुक्ति के कपड़ों पर जूस गिर जाता है, जिसके बाद अभिरा उन्हें ड्राई क्लीनिंग के लिए पैक करती है। मुक्ति इसे अपनी विदाई की तैयारी समझ बैठती है और उसे लगता है कि परिवार उसे अपने से दूर भेजना चाहता है। यही गलतफहमी अमृता के लिए मौका बन जाती है। भावनात्मक रूप से आहत मुक्ति, अमृता के साथ जाने का फैसला कर लेती है। इतना ही नहीं, वह अभिरा को 'मिसेज शर्मा' और अरमान को 'अंकल' कहकर बुलाती है, जिससे पूरा परिवार स्तब्ध रह जाता है। मुक्ति के इस फैसले से अभिरा पूरी तरह टूट जाती है और अरमान भी परिवार को संभालने की कोशिश में उलझ जाता है। आने वाले एपिसोड में बड़ा खुलासा होगा कि अमृता का असली मकसद मुक्ति की 18 साल की उम्र पूरी होने के बाद उसकी संपत्ति पर कब्जा करना है। पहले वह प्यार और अपनापन दिखाकर मुक्ति का भरोसा जीतने की कोशिश करेगी, लेकिन बाद में उसकी साजिश सामने आएगी। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अभिरा समय रहते सच्चाई जान पाएगी और मुक्ति को इस जाल से बचा सकेगी, या फिर यह गलतफहमी पोद्दार परिवार को हमेशा के लिए बिखेर देगी।

कांवड़ में नानी को बैठाकर निकला शिवभक्त

सेवा और श्रद्धा की अनोखी मिसाल

यूनिक समय, मेरठ। सावन की कांवड़ यात्रा में इस बार आस्था के साथ रिश्तों की मिसाल भी देखने को मिल रही है। मेरठ में दो शिवभक्त अपनी अनोखी कांवड़ यात्रा के कारण श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

एक युवक अपनी 75 वर्षीय नानी को कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार से पदयात्रा कर रहा है, जबकि दूसरा शिवभक्त बैग में गंगाजल सुरक्षित रखकर पैदल अपने गंतव्य तक पहुंचने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। दोनों की भक्ति और समर्पण ने राहगीरों का दिल जीत लिया है।

हरिद्वार से शुरू हुई इस अनोखी यात्रा में नानी को कांवड़ में बैठाकर ले जा रहे युवक का कहना है कि वह भगवान शिव की आराधना के साथ अपनी नानी की सेवा का भी सौभाग्य प्राप्त कर रहा है।

रास्ते में जहां भी श्रद्धालु इस दृश्य को देखते हैं, वे उसकी सराहना करते हुए उसे आशीर्वाद देते हैं। कई लोग इस भावुक दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर रहे हैं। युवक का कहना है कि उसके लिए यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार के प्रति सम्मान और सेवा का अवसर भी है।

इधर, मथुरा जिले के बलदेव थाना क्षेत्र के निवासी 27 वर्षीय धीरेंद्र भी अपनी अलग शैली की कांवड़ यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। वर्तमान में दिल्ली के राजनगर में रहने वाले धीरेंद्र 10 जुलाई को ट्रेन से हरिद्वार पहुंचे और 11 जुलाई से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा शुरू की। उन्होंने गंगाजल को विशेष रूप से बैग में सुरक्षित रखा है ताकि यात्रा के दौरान वह पूरी तरह संरक्षित रहे।

बैग में गंगाजल लेकर पैदल चला दूसरा कांवड़िया

पहले दिन चार किलोमीटर, दूसरे दिन 18 किलोमीटर और तीसरे दिन 15 किलोमीटर चलने के बाद अब वह प्रतिदिन 10 से 12 किलोमीटर की दूरी तय कर रहे हैं।

धीरेंद्र की यह लगातार तीसरी कांवड़ यात्रा है। उनका कहना है कि शिवभक्ति में अनुशासन, धैर्य और संकल्प सबसे महत्वपूर्ण हैं।

मेरठ से गुजर रहे इन दोनों शिवभक्तों की यात्राएं यह संदेश दे रही हैं कि कांवड़ केवल जल चढ़ाने की परंपरा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और रिश्तों को निभाने की भावना का भी उत्सव है। श्रद्धालुओं के लिए यह दृश्य आस्था के साथ मानवता का भी प्रेरणादायी उदाहरण बन गया है।

गोतस्करों पर बागपत यूपी पुलिस का शिकंजा

यूनिक समय, बागपत। जिले में गोतस्करों और संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दोघट थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित पशु कटान के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी वाजिद उर्फ वाजिद भूरा को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने जंगल में घेराबंदी के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में दबोच लिया गया। आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, 28 जुलाई 2026 को थाना दोघट क्षेत्र के फौलादनगर गांव में प्रतिबंधित पशु कटान का मामला सामने आया था। मौके से पशुओं के अवशेष बरामद होने पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में एक महिला आरोपी और वांछित अभियुक्त जावेद को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि इनामी आरोपी वाजिद मिलाना गांव के जंगल में मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की, लेकिन खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया और पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक अवैध .315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त टीवीएस रेडियन मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक सूरज राय के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई इस कार्रवाई को पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है। क्षेत्राधिकारी बड़ौत अंशु जैन ने बताया कि गोवध और उससे जुड़े नेटवर्क में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो पत्नियों के बीच पति का 3-3 दिन बंटवारा नहीं चला

यूनिक समय, रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में पारिवारिक विवाद सुलझाने के लिए पंचायत का अनोखा फैसला महज एक सप्ताह भी नहीं टिक सका। बेटे की चाहत में दो शादियां करने वाले युवक के मामले में पंचायत ने पति के लिए दोनों पत्नियों के बीच 'तीन-तीन दिन' रहने का फार्मूला तय किया था, लेकिन सात दिन बाद ही छोटी पत्नी अपनी एक बेटी को लेकर घर छोड़कर चली गई, जिससे पूरा मामला फिर चर्चा में आ गया। जानकारी के अनुसार, युवक की पहली शादी करीब 14 वर्ष पहले हुई थी, जिससे उसकी दो बेटियां हैं। बेटे की चाहत में उसने पहली पत्नी की सहमति के बिना दूसरी शादी कर ली। दूसरी पत्नी से भी उसे दो बेटियां हुईं। समय के साथ पहली पत्नी ने आरोप लगाया कि पति उसका और बेटियों का खर्च नहीं उठा रहा, जिसके बाद मामला पंचायत तक पहुंचा। पंचायत ने दोनों पक्षों की सहमति से फैसला दिया कि पति

सप्ताह में तीन दिन पहली पत्नी, तीन दिन दूसरी पत्नी के साथ रहेगा, जबकि सातवां दिन अपनी इच्छा से बिताएगा। हालांकि यह व्यवस्था ज्यादा दिन नहीं चल सकी। एक सप्ताह बाद दूसरी पत्नी अपनी छोटी बेटी को साथ लेकर अचानक घर से चली गई, जबकि बड़ी बेटी घर पर ही रह गई। दढ़ियाल पुलिस चौकी प्रभारी ब्रजेश कुमार जैसवाल ने बताया कि मामले में अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल परिजन महिला की तलाश में जुटे हैं।

हाईवे पर टायर फटा, डिवाइडर से टकराई टूरिस्ट क्रूजर

यूनिक समय, सुल्तानपुर। लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हो गया। वाराणसी से अयोध्या जा रही एक टूरिस्ट क्रूजर का अगला टायर अचानक फटने से वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में चालक समेत 14 यात्री घायल हो गए, जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

पुलिस के अनुसार, हादसा लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर पनियार गांव के पास सुबह करीब पांच बजे हुआ। टायर फटते ही चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और तेज रफ्तार क्रूजर डिवाइडर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, एनएचएआई और 108 एंबुलेंस की टीमें मौके

14 यात्री घायल, चार की हालत गंभीर

पर पहुंचीं और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ पहुंचाया।

गंभीर रूप से घायल पुदधूलाल, बलराम, कल्लू और बतीसिया को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य घायलों में जगराम, नुखिया बाई, लखन मसकोले, बाती झरिया, रजनी, सकुन, कुटुलाल, दिव्या झारिया तथा चालक साहिद शामिल हैं।

हादसे के बाद अपर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, क्षेत्राधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे तथा घायलों का हालचाल जाना। पुलिस ने क्षतिग्रस्त क्रूजर को हाईवे से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह टायर फटना सामने आई है।

फेसबुक पर 'सूरज' बनकर बढ़ाई नजदीकियां, पहचान खुली तो मचा हड़कंप

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या के कोतवाली नगर क्षेत्र में पहचान छिपाकर प्रेम संबंध बनाने का मामला सामने आया है। एक तलाकशुदा महिला ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि फेसबुक पर 'सूरज' नाम से संपर्क करने वाले युवक ने खुद को हिंदू बताकर उसका विश्वास जीता, शादी का वादा किया और बाद में उसकी असली पहचान मुन्ताज के रूप में सामने आई। महिला का आरोप है कि इसके बाद उसे धमकाकर जबरन निकाह कराया गया, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया गया और आर्थिक व मानसिक उत्पीड़न किया गया। पीड़िता ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, महिला का वर्ष 2019 में अपने पहले पति से तलाक हो गया था। इसके बाद फेसबुक के जरिए उसकी आरोपी से जान-पहचान हुई। महिला का कहना है कि आरोपी ने खुद को हिंदू युवक बताकर शादी का भरोसा दिलाया और इसी विश्वास में दोनों के बीच संबंध बने। बाद में जब उसकी वास्तविक पहचान सामने आई तो कथित तौर पर निजी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वर्ष 2021 में निकाह के लिए मजबूर किया गया।

शादी का झांसा, जबरन निकाह, धर्म परिवर्तन और आर्थिक शोषण का दावा

महिला ने आरोप लगाया कि निकाह के बाद आरोपी विदेश चला गया। इस दौरान आरोपी के परिजनों ने उसके साथ मारपीट की, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया और गोमांस खाने के लिए भी मजबूर करने की कोशिश की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी पक्ष ने उससे करीब सात लाख रुपये लिए और कथित रूप से उसकी जमीन भी अपने नाम करा ली। इतना ही नहीं, महिला ने अपनी 13 वर्षीय बेटी के साथ छेड़छाड़ और उस पर भी निकाह का दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़िता ने आशंका जताई है कि आरोपी पक्ष देश छोड़कर फरार हो सकता है। इसलिए, उसने पुलिस से आरोपियों के पासपोर्ट जब्त करने, तत्काल एफआईआर दर्ज करने और निष्पक्ष जांच के बाद कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए सभी आरोपों की जांच की जा रही है और जांच के निष्कर्ष के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद बढ़ी सख्ती

काशी विश्वनाथ धाम न्यास की फाइल पीएमओ पहुंची

यूनिक समय, वाराणसी। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले के बाद अब काशी विश्वनाथ धाम न्यास के गठन में शासन बेहद सतर्क नजर आ रहा है। नए न्यासियों की नियुक्ति से पहले उनके चरित्र, छवि और वित्तीय पृष्ठभूमि की गहन जांच कराई जा रही है। मंदिर प्रशासन से शुरू हुई प्रक्रिया मुख्यमंत्री कार्यालय होते हुए अब प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच चुकी है। शासन का उद्देश्य ऐसे लोगों को न्यासी बनाना है, जिन पर किसी तरह का विवाद, आर्थिक अनियमितता या आपराधिक आरोप न हो।

सूत्रों के अनुसार, करीब डेढ़ वर्ष पहले भेजे गए प्रस्ताव में कई बार संशोधन किए गए। मंदिर प्रशासन और शासन के बीच लगातार

पत्राचार के बाद नई आख्या रिपोर्ट के साथ संशोधित प्रस्ताव भेजे गए हैं। संभावित न्यासियों के नामों पर स्थानीय स्तर पर जांच एजेंसियां गोपनीय तरीके से जानकारी जुटा रही हैं। किसी भी दावेदार से सीधे संपर्क करने के बजाय उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा, सार्वजनिक छवि और कार्यशैली का खुफिया सत्यापन कर रिपोर्ट शासन को सौंपी जा रही है।

बताया जा रहा है कि वर्ष 2024 में विश्वनाथ धाम के एक न्यासी पर कथित रूप से 25-25 हजार रुपये लेकर विशेष दर्शन कराने के आरोप लगे थे। इसी घटना और हालिया राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद सरकार धार्मिक संस्थानों के ट्रस्ट गठन को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है। जांच एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि हर संभावित सदस्य की विस्तृत पड़ताल के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाए।

विश्वनाथ धाम ट्रस्ट में श्रृंगेरी मठ के शंकराचार्य, राज्य के वित्त, विधि, धर्मार्थ एवं संस्कृति विभाग के सचिव, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और मुख्य कार्यपालक अधिकारी पदेन सदस्य होते हैं। इनके अतिरिक्त अध्यक्ष और पांच सदस्यों का नामांकन राज्य सरकार करती है। यदि सभी जांच रिपोर्ट संतोषजनक रहीं, तो अगले एक महीने के भीतर नए न्यासियों की घोषणा की जा सकती है।

दिल्ली की बेटियों को मिली नई रफ्तार

सीएम रेखा गुप्ता ने तीन हजार छात्राओं को सौंपी साइकिलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बेटियों को शिक्षा से जोड़ने और उनके स्कूल आने-जाने को सुरक्षित व आसान बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत कक्षा 9 की 3,000 से अधिक छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल साइकिल वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि बेटियों के आत्मविश्वास, शिक्षा और सशक्तिकरण को नई गति देने का अभियान है। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य अगले एक महीने में चरणबद्ध तरीके से दिल्ली के सरकारी

विद्यालयों में पढ़ने वाली 1.40 लाख से अधिक छात्राओं तक इस योजना का लाभ पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने सपनों को साकार करने और परिवार के साथ-साथ दिल्ली व देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से छात्राओं की स्कूल तक पहुंच आसान होगी, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, पढ़ाई और खेलकूद में भागीदारी के अधिक अवसर मिलेंगे तथा परिवारों पर आने–जाने का आर्थिक बोझ भी कम होगा। उनके अनुसार यह पहल लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी अहम साबित होगी।

विद्या वाहिनी योजना के पहले चरण की शुरुआत

कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधायक रविंद्र नेगी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सरकार का कहना है कि 'विद्या वाहिनी योजना' का उद्देश्य हर बेटी को शिक्षा की राह में आने वाली दूरी और संसाधनों की बाधाओं से मुक्त कर बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ाना है। इसके साथ ही राजधानी में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और स्कूल छोड़ने की दर कम करने की दिशा में भी इस योजना को एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में बड़ा फैसला

यूनिक समय, नई दिल्ली। वर्ष 2020 के उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के बहुचर्चित मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत नजीम, कासिम, अनस और जावेद को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने इस हत्याकांड को अत्यंत जघन्य और समाज को झकझोर देने वाला अपराध बताते हुए कहा कि पीड़ित की नृशंस तरीके से हत्या की गई और मौत के बाद भी उसके शव के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आरोपियों ने हत्या के बाद शव को घसीटकर चांद बाग इलाके के नाले में फेंक दिया, जो अपराध की क्रूरता को दर्शाता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने टिप्पणी की कि इस घटना ने समाज की संवेदनाओं को गहराई से आहत किया है और ऐसे

ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों को उम्रकैद

अपराधों के प्रति कठोर संदेश जाना आवश्यक है। सजा सुनाए जाने के बाद ताहिर हुसैन ने अदालत परिसर में कहा कि उन्हें न्याय नहीं मिला है और वे इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें उच्च न्यायालय से इंसाफ मिलने की उम्मीद है। वहीं, सह–आरोपियों के अधिवक्ता ने भी कहा कि वे अपने मुवक्विलों की ओर से जल्द ही अपील दायर करेंगे। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2020 में भड़के दिल्ली दंगों के दौरान कई अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या देशभर में चर्चा का विषय बनी थी। अब इस मामले में अदालत के फैसले को पीड़ित परिवार के लिए न्याय की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, जबकि दोषियों की ओर से कानूनी लड़ाई आगे भी जारी रहने के संकेत मिल चुके हैं।

भारत आएंगे चीन के राष्ट्रपति

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और चीन के संबंधों में लंबे समय से चली आ रही तल्खी के बीच कूटनीतिक स्तर पर एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग सितंबर में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने भारत आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार भारत सरकार ने सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्हें औपचारिक निमंत्रण भेज दिया है। यदि यह यात्रा तय होती है तो वर्ष 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबे सैन्य गतिरोध के बाद यह शी चिनफिंग की पहली भारत यात्रा होगी।

नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी इस बार भारत कर रहा है। बताया जा रहा है कि चीन ने भी भारत की अध्यक्षता का समर्थन किया है, हालांकि राष्ट्रपति शी चिनफिंग की यात्रा को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

शी चिनफिंग इससे पहले अक्तूबर 2011 में तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत ने भेजा निमंत्रण

अनौपचारिक शिखर वार्ता में शामिल हुए थे। वहीं उनका पहला राजकीय भारत दौरा सितंबर 2014 में हुआ था। इसके कुछ ही महीनों बाद गलवान विवाद के चलते दोनों देशों के रिश्तों में भारी तनाव आ गया था।

तनावपूर्ण हालात के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की मुलाकात समय–समय पर ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर होती रही है। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भाग लेने चीन गए थे।

गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर पर जानलेवा हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के कराची शहर के संवेदनशील ल्यारी इलाके में गुरुवार शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब कुख्यात गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलोच पर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस हमले में जुबैर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दो राहगीर भी गोली लगने से जख्मी हो गए। सभी घायलों को तत्काल कराची के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर जुबैर का ऑपरेशन कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार उसके सीने और पेट में कई गोलियां लगी हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। चाकीवाड़ा पुलिस के मुताबिक, करीब 40 वर्षीय जुबैर बलोच अपने घर के बाहर सिंगू लेन में बैठा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार चेहरा

ढके बदमाश वहां पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग कर फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पास की एक दुकान के मालिक ने जवाबी फायरिंग भी की, जिसके बाद हमलावर मौके से भाग निकले। पुलिस गैंगवार, पुरानी रंजिश और निजी दुश्मनी समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, जुबैर बलोच वर्ष 2012 में कई आपराधिक मामलों में गिरफ्तार हुआ था और जनवरी 2025 में जेल से रिहा हुआ था। स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ महीने पहले वह एक राजनीतिक दल से भी जुड़ा था।

ल्यारी में गोलियों की गूंज

वहीं, अमेरिका–ईरान संघर्ष के बाद विदेश भागे कुछ गैंगस्टरों के कराची लौटने की चर्चाओं ने ल्यारी में एक बार फिर गैंगवार की आशंकाओं को हवा दे दी है। उधर, जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर उजैर बलोच के खिलाफ हत्या, पुलिस पर हमला, विस्फोटक रखने और जासूसी जैसे कई गंभीर मामले अब भी लंबित हैं। हाल ही में आतंकवाद निरोधी अदालत उसकी जमानत याचिका खारिज कर चुकी है। जुबैर पर हुए हमले के बाद कराची पुलिस ने पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और हमलावरों की तलाश तेज कर दी है।

सुरंगों पर चला इजरायल का प्रहार, हिज्बुल्लाह के अंडरग्राउंड नेटवर्क पर बड़ा हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। दक्षिण लेबनान में इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने हिज्बुल्लाह के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए ब्यूफोर्ट रिज के नीचे मौजूद उसके अहम अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क को नष्ट करने का दावा किया है। इजरायली सेना के अनुसार यह सुरंग नेटवर्क हिज्बुल्लाह के केंद्रीय कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, जहां से संगठन के कमांडर सैन्य गतिविधियों का संचालन करते और इजरायली सैनिकों व नागरिकों पर हमलों के निर्देश जारी करते थे। आईडीएफ का कहना है कि यह बहु–स्तरीय सुरंग प्रणाली करीब दो दशकों में तैयार की गई थी और इसकी योजना तथा वित्तीय सहायता ईरान ने उपलब्ध कराई थी। सेना के मुताबिक यह नेटवर्क हिज्बुल्लाह की 'बदर यूनिट' का मुख्य संचालन केंद्र था और उत्तर इजरायल के मेटुला तथा गैलीली पैनहैंडल क्षेत्र से लगभग छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित होने के कारण सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ था। इजरायल का दावा है कि इसी अंडरग्राउंड नेटवर्क से युद्ध के दौरान दर्जनों विस्फोटक उपकरण, ड्रोन (यूएवी) और एंटी-टैंक मिसाइलें दागी गई थीं। हालिया अभियान के दौरान सेना ने सुरंगों के बड़े हिस्से को ध्वस्त कर दिया और ब्यूफोर्ट रिज क्षेत्र में अपनी सैन्य तैनाती भी पूरी कर ली। आईडीएफ ने कहा कि वह जमीन के नीचे बने इस नेटवर्क पर ऑपरेशनल नियंत्रण बनाए रखते हुए भविष्य में भी ऐसी संरचनाओं को नष्ट करने की कार्रवाई जारी रखेगी।

यह सैन्य अभियान ऐसे समय में हुआ है जब अगले महीने इटली की राजधानी रोम में अमेरिका की मध्यस्थता में इजरायल और लेबनान के बीच वार्ता फिर से शुरू होने की संभावना है। इजरायली सेना ने दोहराया कि वह लेबनान के साथ हुए युद्धविराम समझौते का सम्मान करती है, लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बनने वाले ठिकानों के खिलाफ अभियान जारी रखेगी। वहीं क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने एक बार फिर मध्य पूर्व में तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंता बढ़ा दी है।

शराब की महफिल बनी मौत की वजह

ईंट से सिर कुचलकर हत्या 400 सीसीटीवी खंगालने के बाद आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंदौर पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी, मोबाइल और सोशल मीडिया से दूर रहने वाला आरोपी रायसेन से दबोचा गया

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में हुए सनसनीखेज अंधे कत्ल का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मामूली कहासुनी ने शराब की महफिल को खूनी वारदात में बदल दिया, जहां एक व्यक्ति ने अपने साथी का ईंट से सिर कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने करीब 400 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने, 30 संदिग्धों से पूछताछ और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी को रायसेन जिले से गिरफ्तार कर लिया।

सेंट्रल कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे लहूलुहान शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। जांच में मृतक की पहचान उज्जैन निवासी महेश मालवीय के रूप में हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर विशेष जांच टीम गठित की गई। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी आशीष उर्फ चंद मोबाइल फोन और सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करता था, जिससे उसकी तलाश पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई।

लगातार दबिश और मुखबिर की

सटीक सूचना पर पुलिस ने इंदौर बायपास के पास घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

पूछताछ में उसने हत्या की बात स्वीकार करते हुए बताया कि घटना वाली रात दोनों साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और गुस्से में उसने पास पड़ी ईंट उठाकर महेश के सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण महेश की मौके पर ही मौत हो गई, जिसके बाद आरोपी फरार हो गया था।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसे न्यायालय में पेश करने की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक तकनीक के साथ पारंपरिक मुखबिर तंत्र के प्रभावी इस्तेमाल से इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में सफलता मिली।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या पर पति को दस साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय प्रथम (महिला विरुद्व अपराध) विजय कमार सिंह ने पत्नी की दहेज के लिए हत्या करने वाले पति को दस साल की कैद और बीस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता सुभाष चतुर्वेदी ने बताया कि वादी कालीचरन निवासी ग्राम हेदलपुर थाना हसायन जनपद हाथरस ने अपनी बेटी लक्ष्मी देवी की शादी 17 अप्रैल 2018 को सोनू पुत्र साहब सिंह निवासी इंदुपरम कॉलोनी थाना सदर बाजार के साथ की थी। शादी

में काफी दान-दहेज दिया था। इसके बाद भी पति सास, देवर, चचिया सास शादी में दिए गए दहेज से संतुष्ट नहीं थे। परिवार के लोग उससे दहेज की और अधिक मांग कर रहे थे। लक्ष्मी से अपाचे मोटर साइकिल और दो लाख रुपये अपने

बीस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

मायके से लाने के लिए दबाव दे रहे थे। इसे लेकर उसके साथ मारपीट करते थे।

ससुराल में किए जा रहे उत्पीड़न की शिकायत लक्ष्मी ने अपने परिवार से की। परिवार के लोगों ने ससुरालीजनों को काफी समझाया, लेकिन वह नहीं माने। एक अगस्त 2018 को इन लोगों ने लक्ष्मी देवी की हत्या कर दी। इस मामले में लक्ष्मी के पति सोनू, सास तारावती देवर महेश, चचिया सास गीता देवी के खिलाफ थाना सदर बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने सोनू, महेश कुमार, तारावती को खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। गीता देवी की नामजदगी गलत पाई गई। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय प्रथम (महिला विरुद्ध अपराध) विजय कमार सिंह के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त सोनू कुमार को दोषी ठहराते हुए दस साल की सजा और बीस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

फिरोजी हिंडोला में राजाधिराज ने दिए दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। सावन माह में ठाकुर द्वारकाधीश ने पुरानी परंपराओं की तरह फिरोजी हिंडोला में विराजमान को भक्तों को दर्शन दिए। भक्तों दर्शन कर जयकारों से मंदिर प्रांगण गूज उठा। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार महाराज (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के द्वारा किया जाता है। पुष्टिमार्गीय परंपरा में ठाकुर को लाड़-लड़ाने के तहत घटा और हिंडोला में विराजमान कराया जाता है। शनिवार को इसी तरह सांय 5:10 से 5:40 बजे तक ठाकुर महाराज फूलों के हिंडोले में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

फिरोजी हिंडोले में भक्तों को दर्शन देते ठाकुर द्वारिकाधीश।

दो अगस्त तक शिक्षा मित्रों की मूल विद्यालयों में वापसी नहीं हुई तो तीन को धरना-प्रदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा मित्रों की मूल विद्यालय में वापसी दो अगस्त नहीं हुई तो जिले के शिक्षा मित्र एकजुट होकर तीन अगस्त को बीएसए कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के जिलाध्यक्ष खेमसिंह चौधरी ने कहा कि शिक्षा मित्रों के स्थातंरण मूल विद्यालयों में दो अगस्त तक वापस नही किए गए तो धरना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा की ओर से शासनादेश जारी किया गया था, लेकिन आदेश पर काम अभी तक नहीं किया है।

जरारा राजवाहा में मिला महिला का शव

यूनिक समय, सुरीर। क्षेत्र के जेरेलिया-सिकंदरपुर स्थित जरारा पुलिया से सौ मीटर दूर राजवाहा में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जरारा रजवाहे में एक अज्ञात महिला का शव देख कर लोगों में सनसनी फैल गई। काफी संख्या में लोग महिला के शव को देखने के लिए एकत्रित हो गए। काफी देर बाद भी कोई महिला की शिनाख्त नहीं कर सका। पुलिस को भी बताया गया मौके पर पहुंची पुलिस ने 35 वर्षीय अज्ञात महिला का शव रजवाह से बाहर निकलवाया। इसके बाद पुलिस ने महिला की शिनाख्त के प्रयास किए गए। शव को पुलिस ने मोरचरी भेज दिया।

महिला श्रद्धालु की दुर्घटना में मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के चारधाम मंदिर के समीप एक श्रद्धालु महिला की दुर्घटना में मौत हो गई। बताया गया है कि लीला वाई 40 वर्ष बड़ा गांव मेहमदपुर सिहोर मध्यप्रदेश अपने परिवार के साथ वृंदावन बिहारी जी के दर्शन करने आई थी। महिला को अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर ही महिला की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राया के पठान पाड़ा में दो पक्ष भिड़े

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के पठान पाड़ा में दो पक्षों में मामूली सी बात को लेकर आपस में मारपीट हो गई। झगड़े के कारण इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के मौके पर पहुंचने तक झगड़ा करने वाले वहां से भाग गए। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है। बताया गया कि एक घायल ने थाने पहुंचकर झगड़े के बारे पुलिस को बताया।

अखंड भारत यात्रा पूर्ण कर गोवर्धन पहुंचे शंकराचार्य

यूनिक समय, गोवर्धन। शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देवतीर्थ महाराज अखंड भारत यात्रा पूर्ण करने के बाद गोवर्धन स्थित श्री आद्य शंकराचार्य आश्रम पहुंचे। उन्होंने श्रीलंका के महाशक्तिपीठ शांकरी देवी और त्रिपुरा के शक्तिपीठ त्रिपुरेश्वरी देवी के दर्शन-पूजन के उपरांत आश्रम में प्रवेश किया।

आश्रम पहुंचने पर उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त पदुम नारायण

द्विवेदी ने अपनी धर्मपत्नी सीता देवी के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष मनीष लम्बरदार, वरिष्ठ नेता कुंवर नरेंद्र सिंह, बिहारी ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। शंकराचार्य महाराज जतीपुरा रोड स्थित आश्रम में श्रावण और भाद्रपद मास के दौरान चातुर्मास्य व्रत एवं धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। इस अवधि में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के गोवर्धन पहुंचने की संभावना है।

डायरिया से घबराएं नहीं, ओआरएस और जिंक से करें बचाव

यूनिक समय, मथुरा। विश्व ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) दिवस पर शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय के सभागार में स्वास्थ्य विभाग की ओर से डायरिया के प्रति जागरुक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से आयोजित डायरिया से डर नहीं अभियान के तहत अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने कहा कि डायरिया से डरने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन में दो-तीन बार पतले दस्त होने पर तुरंत ओआरएस का घोल और जिंक देना चाहिए।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहिताश सिंह ने पीपीटी के माध्यम से डायरिया की शीघ्र पहचान, ओआरएस और जिंक के सही उपयोग और उपचार के प्लान-ए, प्लान-बी और प्लान-सी की जानकारी दी। डीसीपीएम पारुल शर्मा ने कहा कि लोगों को ओआरएस घोल बनाने की सही विधि और उसके उपयोग की समय-सीमा के बारे में भी जागरूक करना जरूरी है। कार्यक्रम में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राम गोपाल, डॉ. भूदेव सिंह, डॉ. विकास जैन, डॉ. गोपाल बाबू, मुकेश गौतम, योगेंद्र सिंह, शैलेन्द्र त्रिपाठी, सचिन कुमार,अनुज श्रीवास्तव, जिला मलेरिया अधिकारी सीपी मिश्रा,अजय कुमार, चोब सिंह, देवप्रिय कर सहित सभी चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नशे में टेंपो चालक ने मारी टक्कर, तीन घायल

यूनिक समय, गोवर्धन। मथुरा-गोवर्धन मार्ग पर कल्याण करोति के समीप जचौदा चौराहे के पास शुक्रवार को ईको कार और टेंपो की आमने-सामने भिड़ंत में तीन लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही अड़िंग चौकी पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा घायलों को एंबुलेंस से गोवर्धन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में टेंपो चालक के नशे में होने की बात सामने आई है। बताया गया कि उसने सामने से आ रही ईको गाड़ी में टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। टेंपो चालक के खिलाफ शराब पीकर वाहन चलाने और लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में कार्रवाई की जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।

पुलिस ने बरामद किया लावारिस शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे पुलिस ने रेलवे स्टेशन के समीप से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एक अज्ञात (55) वर्षीय व्यक्ति का शव होने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि एक भिखारी जैसे दिखाई देने वाला व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। पुलिस के अनुसार मरने वाला व्यक्ति बीमार बताया गया था। काफी प्रयास के बाद भी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है।

निषाद समाज ने आरक्षण की मांग को लेकर विधायकों को सौंपे ज्ञापन

विधायक श्रीकांत शर्मा को ज्ञापन सौंपते निषाद पार्टी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देश पर शुक्रवार को प्रदेशव्यापी अभियान के अंतर्गत 75 जिलों की विधानसभा क्षेत्रों में संबंधित विधायकों को मझवार-तुरैहा समाज के आरक्षण संबंधी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपे गए।

निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष विवेक निषाद के नेतृत्व में छाता विधानसभा क्षेत्र से विधायक-कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, बल्देव विधायक पूरन प्रकाश, मथुरा विधायक श्रीकांत शर्मा और विधान परिषद सदस्य योगेश नौहवार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मझवार और तुरैहा समाज को आरक्षण का लाभ शीघ्र लागू किए जाने की मांग उठाई गई। इस अवसर पर किशन पाठक, सोमनाथ निषाद, हरिमोहन कश्यप, मनोज कश्यप, श्रीनाथ कश्यप, रवि निषाद, यूनिस अली, जीतू निषाद, राजवीर निषाद सहित निषाद समाज के अनेक पदाधिकारी-कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीराधारमण मंदिर में गोपालभट्ट गोस्वामीपाद महोत्सव तीन-चार को

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर श्रीराधारमण मंदिर में दो दिवसीय श्री गोपालभट्ट गोस्वामीपाद महोत्सव तीन- चार अगस्त को मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत नगर संकीर्तन निकलेगा। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्माओं और वैष्णव भक्तों के पहुंचने की संभावना है। महोत्सव के प्रथम दिवस तीन अगस्त को मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान, पूजन-अर्चन, भजन-कीर्तन, अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दूसरे दिन चार अगस्त को श्रीराधारमण मंदिर से नगर संकीर्तन (शोभायात्रा) निकाला जाएगा। निर्धारित मार्ग के अनुसार, यह संकीर्तन श्रीराधारमण मंदिर से प्रारंभ

होकर गोपीनाथ बाजार, रंगजी मंदिर, अनाज मंडी, वनखंडी महादेव, लोई बाजार और शाहजी मंदिर से होकर पुनः श्रीराधारमण मंदिर पहुंचेगा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालु संकीर्तन का स्वागत करेंगे।

मोटर साईकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत चौक मंडी राम दास व्यवसाई समिति के उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल की बुलेट मोटर साइकिल गुरुवार को दुकान पीली कोठी से सुबह के समय चोरी हो गई। यहां से एक नहीं, दो-तीन मोटर साईकिल चोरी हो गई। मोटर साईकिल स्वामी ने बताया कि इसकी रिपोर्ट थाना कोतवाली में करा दी गई।